सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 158 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 23 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गाली देने पर रिटायर्ड आर्मी जवान ने युवक को मारी-गोली

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सोमवार को 2 पक्षों में हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक युवक घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने रिटायर्ड आर्मी जवान और उसके भाई को पुलिस ने हिरासत में लिया है। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक रिटायर्ड आर्मी जवान गुलशन श्रीवास का भाई हिमांशु श्रीवास किराना दुकान चलाता है। शैलेंद्र साहू अपने साथियों के साथ किराना स्टोर के पास पहुंचकर गाली-गलौज कर रहा था। हिमांशु ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इसी दौरान गुलशन श्रीवास ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से पंकज कश्यप पर गोली चला दी। गोली पंकज कश्यप के पैर (जांघ) में लगी है, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं, पुलिस ने भी गुलशन और हिमांशु को हिरासत में ले लिया है।

दिल्ली ब्लास्ट केस के सिलसिले में 12 जगहों पर एनआईए का छापा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज हंदवाड़ा, कुपवाड़ा, कुलगाम, रफियाबाद और सोपोर समेत कुल 12 जगहों पर छापे मारे। एनआईए ने हंदवाड़ा जिले के गुलोरा क्षेत्र में एक बड़े कारोबारी के आवास पर छापा मारा। यह कार्रवाई दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट मामले से जुड़ी जांच के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीमों ने तड़के ही व्यापारी के घर पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। एनआईए के अधिकारियों ने कारोबारी के आवास पर पहुंचकर गहन तलाशी ली। एनआईए की टीम दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य सामग्रियों की बारीकी से जांच की। छापेमारी के दौरान कारोबारी के घर हथियारों से लैस सुरक्षाकर्मी मुस्तैद हैं। सूत्रों के मुताबिक, कारोबारी का बम धमाके से कनेक्शन होने की जानकारी मिली है।

उल्लास महापरीक्षा में 55 बंदियों ने लिया हिस्सा

कोरबा। जिले में 'उल्लास साक्षरता कार्यक्रम' के तहत आयोजित महापरीक्षा में जिले के 55 बंदियों ने भी हिस्सा लिया। इनमें 30 कोरबा जिला जेल और 25 कटघोरा उपजेल के बंदी शामिल थे। यह परीक्षा 22 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जिले के स्कूलों में आयोजित की गई, जिसमें कुल 17,305 लोगों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाना है। जेल प्रशासन और शिक्षा विभाग के सहयोग से बंदियों ने भी उत्साह से परीक्षा दी। जिला परियोजना अधिकारी ज्योति शर्मा ने कहा कि इससे बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जुड़ने में मदद मिलेगी। जेल प्रशासन और शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित इस परीक्षा में बंदियों ने सीखने के प्रति अपनी गहरी रुचि दिखाई।

ईस्ट-वेस्ट रेल कॉरिडोर : पेंड्रा रोड पर नॉन-इंटरलॉकिंग पूरा, 135 किमी लाइन से बढ़ेगा कनेक्टिविटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रेल विकास निगम की बहुप्रतीक्षित ईस्ट-वेस्ट रेल कॉरिडोर परियोजना के तहत पेंड्रारोड से गेवरारोड के बीच बन रही लगभग 135 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का निर्माण कार्य तेज गति से जारी है। यह परियोजना क्षेत्र में रेल संपर्क को सुदृढ़ करने के साथ-साथ यात्री और माल परिवहन को नई दिशा देने वाली साबित होगी।

परियोजना के तहत पेंड्रा रोड स्टेशन को नई रेल लाइन से जोड़ने के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग का महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस तकनीकी प्रक्रिया के लिए करीब 6 घंटे का ब्लॉक लिया गया, जिसके दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन करते हुए कार्य निर्धारित समय सीमा में संपन्न किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नॉन-इंटरलॉकिंग का कार्य नई लाइन को मौजूदा रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए अत्यंत आवश्यक होता है।

कई हिस्सों में ट्रैक का काम पूरा

इस रेल कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत गेवरारोड और पेंड्रा रोड दोनों ओर के कई हिस्सों में ट्रैक बिछाने का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष खंड में निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। परियोजना में आधुनिक तकनीकों और संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे इसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। इस रेल लाइन के शुरू होने से क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, विशेषकर खनिज और अन्य उत्पादों के परिवहन में सुगमता आएगी। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

यात्रियों के लिए भी लाभकारी

यात्रियों के लिए भी यह परियोजना काफी लाभकारी सिद्ध होगी। नई रेल लाइन के चालू होने से यात्रा अधिक सुविधाजनक, तेज और सुरक्षित हो सकेगी। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और छत्तीसगढ़ रेल विकास निगम इस महत्वपूर्ण परियोजना को समयबद्ध और सुरक्षित तरीके से पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। अधिकारियों का कहना है कि कार्य प्रगति पर है और जल्द ही यह परियोजना क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

रायगढ़ में अफीम की खेती का एक और मामला, सब्जियों के बीच उगाई

17 दिनों में अफीम की खेती का पांचवा मामला, पुलिस ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में अफीम की खेती का एक और मामला सामने आया है। तीन दिन पहले तमनार ब्लॉक में डेढ़ एकड़ खेत में अफीम की खेती का खुलासा हुआ था और इस बार लैलूंगा थाना क्षेत्र में अफीम की खेती का मामला सामने आया है। यहां सब्जियों के बीच में अफीम उगाई गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

बता दें जिले में बीते तीन दिन में यह दूसरा मामला है। 17 दिनों में अफीम की खेती का ये पांचवा मामला है। इससे पहले तमनार के आमाघाट क्षेत्र में भी अफीम की खेती का मामला सामने आया। झारखंड का रहने वाला मार्शल सांगा यहां 10-12 साल से खेती कर रहा था। उसने आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया था। झारखंड में उसके साथी अफीम की खेती कर रहे हैं और वही देख यहां खेती करना शुरू किया। इस मामले में पुलिस ने झारखंड निवासी मार्शल सांगा को गिरफ्तार किया है और जांच अभी जारी है।

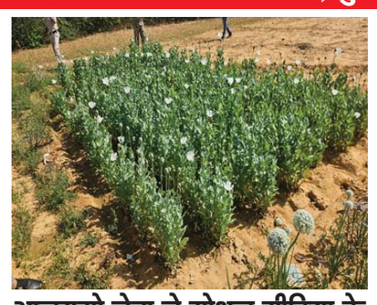

भाजयुमो नेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया

भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने सोशल मीडिया के माध्यम से लैलूंगा के घटगांव में लहलहा रही अफीम की फसल की जानकारी सार्वजनिक की है। सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम घटगांव में दबिश दी। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि कुछ ग्रामीण अपनी सब्जियों की बाड़ियों में अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहे थे। अफीम के पौधे सब्जियों के बीच लगाए गए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अफीम के पौधों को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई के लिए जांच शुरू कर दी है।

दुर्ग-बलरामपुर में सामने आ चुके हैं मामले

बता दें कि प्रदेश में पिछले 17 दिनों में अफीम की खेती पकड़ाने का यह पांचवां मामला है। इससे पहले चार मामले सामने आ चुके हैं। दुर्ग जिले के समोदा में विनायक ताम्रकर पिछले 5 साल से अफीम की अवैध खेती कर रहा था। पुलिस ने ग्राम समोदा और झेनझरी के बीच स्थित फार्महाउस में करीब 5 एकड़ 62 डिसमिल क्षेत्र में 7.88 करोड़ रुपए के अफीम के पौधे जब्त किए गए थे। भाजपा नेता समेत 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 मार्च को बलरामपुर जिले के कुसमी में त्रिपुरी घोसराडांड़ में अवैध अफीम की 3.67 एकड़ में खेती पकड़ी गई थी। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया और करीब 4.75 करोड़ रुपये मूल्य की 4,344 किलोग्राम अफीम जब्त किया था। तीसरा मामला - बलरामपुर के कोरंधा में सामने आया। कोरंधा में 3 किसानों के करीब ढाई एकड़ जमीन पर अफीम लगी हुई थी। इसके बाद 20 मार्च को रायगढ़ के तमनार में अफीम की खेती पकड़ी गई थी।

रिकॉर्ड निचले स्तर पर रुपया, डॉलर के मुकाबले 41 पैसे टूटकर 93.94 रुपए पर पहुंची दर

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण जारी है बढ़ोत्तरी

नईदिल्ली ए। शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया लगातार दबाव में रहा और 41 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.94 के अपने नए ऑल-टाइम लो पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत डॉलर ने रुपये को कमजोर कर दिया है।

इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 93.84 पर खुला और जल्द ही गिरकर 93.94 के स्तर तक पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर 93.53 के मुकाबले 41 पैसे की गिरावट दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को भी रुपया पहली बार 93 के पार गया था और 64 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ था।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर रुपये में गिरावट जारी रहती है, तो आरबीआई हस्तक्षेप कर सकता है। हालांकि, तेल कंपनियों और विदेशी निवेशकों की डॉलर मांग निकट भविष्य में ऊंची बनी रह सकती है, जिससे रुपये पर दबाव जारी रहने की आशंका है।

कच्चे तेल के भाव में उछाल: ब्रेंट क्रूड का भाव 112 डॉलर के पार

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया तनाव का असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिल रहा है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.60 फीसदी की कमजोरी के साथ 112.90 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता देखा गया।

तेल बाजार में उतार-चढ़ाव तब और बढ़ गया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दो दिन के भीतर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर ईरान के पावर प्लांट्स पर संभावित हमले हो सकते हैं।

इसके जवाब में ईरान ने चेताया कि अगर उसके ठिकानों पर हमला हुआ तो वह इस अहम समुद्री मार्ग को पूरी तरह बंद कर सकता है और ऊर्जा, आईटी तथा जल आपूर्ति ढांचे को निशाना बना सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका पश्चिम एशिया में हजारों अतिरिक्त मरीन और नौसैनिक भेज रहा है। इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, जिसका असर वैश्विक वित्तीय बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है।

बालोद में पिकअप पलटने से 2 महिलाओं की मौत: 12 की हालत गंभीर, इनमें बच्चे-महिलाएं भी शामिल

नामकरण संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे सभी

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में ग्रामीणों से भरी पिकअप अचानक बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में 2 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें महिला-पुरुष और बच्चे शामिल हैं।

घटना मंगचुआ थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक पिकअप सवार ग्रामीण नामकरण संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे, तभी मोड़ पर पिकअप बेकाबू हो गई और ड्राइवर ने भी अपना कंट्रोल खो दिया, जिसके कारण वाहन पलट गया। फिलहाल सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने दोनों महिलाओं के शव को पंचनामा कर मॉर्चुरी में रखवा दिया है। आज दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम होगा, जिसके बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

जानकारी के अनुसार ग्राम पद्देटोला के ग्रामीण पिकअप में सवार होकर खलबत्तर गांव नामकरण संस्कार में गए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद लौटते समय भंवरमरा नेताम टोला मोड़ पर ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ऐसे में पिकअप सड़क किनारे पलट गई, जिससे लोगों में चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में मान बाई (68) और नंदिनी (40) की घटनास्थल पर ही जान चली गई, जबकि 12 से अधिक लोगों गंभीर रूप से घायल हो गए।

कुछ की हालत गंभीर

हादसे की सूचना मिलते ही मंगचुआ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया और लोहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की स्थिति गंभीर है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा जा सकता है। मंगचुआ थाना प्रभारी प्रदीप कंवर ने बताया कि राहत कार्य तुरंत शुरू किया गया। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए हैं। शुरुआती जांच में मोड़ पर वाहन की तेज रफ्तार को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

भिलाई की अनुष्का सोन बनीं मिस इंडिया छत्तीसगढ

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी

भिलाई। इस्पात नगरी की एमबीबीएस छात्रा अनुष्का सोन को फेमिना मिस इंडिया 2026 के 61वें संस्करण के लिए मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026 के रूप में चयनित किया गया है। वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता की प्रारंभिक चयन प्रक्रिया कोलकाता में आयोजित हुई, जहां सैकड़ों प्रतिभागियों में से 5 फाइनलिस्ट चुनी गईं। इसके बाद मुंबई में आयोजित अंतिम

ऑडिशन में अनुष्का सोन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह खिताब अपने नाम किया।

अंतिम चयन के दौरान नताशा ग्रोवर, निकिता पोरवाल (फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024), गोकुल गणेशन (मिस्टर इंडिया वर्ल्ड 2024), अल्तमास फराज, सचिन कुम्भार, डॉ. ब्लॉसम कोच्चर और संदीप सोपरकर जैसे प्रतिष्ठित निर्णायकों ने अनुष्का को विजेता घोषित किया।

भुवनेश्वर में होगा ग्रैंड फिनाले

देशभर से चयनित प्रतिभागियों को लगभग एक माह का खास प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद भुवनेश्वर में भव्य ग्रैंड फिनाले आयोजित होगा, जहां फेमिना मिस इंडिया 2026 का ताज विजेता के सिर सजेगा।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी गर्मी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान हुई छिटपुट बारिश के बाद अब मौसम पूरी तरह से बदलने वाला है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि प्रदेश में अब गर्मी का असर बढ़ेगा और अगले 5 दिनों तक अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। पिछले 24 घंटों की बात की जाए तो उत्तर छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान गिरकर 12.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पूरे प्रदेश में सबसे कम रहा। वहीं दूसरी ओर, दुर्ग जिले में दोपहर की गर्मी सबसे ज्यादा महसूस की गई, जहां अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एंबुलेंस व ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

सोनीपुर। असम के सोनीपुर जिले में रविवार की रात एक एंबुलेंस की ट्रक से टक्कर हो जाने के कारण छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सोनीपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरुन पुरकायस्ता ने बताया कि एक मरीज और उसके परिवार के सदस्यों को ले जा रही एंबुलेंस तेजपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जा रही थी। इसी दौरान ढेकियाजुली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर यह दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा, छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल

लोगों को तेजपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने आगे बताया कि पुलिस के साथ आपातकालीन सेवा दल दुर्घटनास्थल पर तुरंत पहुंचे, बचाव अभियान शुरू किया और राजमार्ग को खाली कराया।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडर्स के खिलाफ आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, 50 हजार रुपए का सामान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडिंग के खिलाफआरपीएफने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 88 वेंडरों के पहचान पत्र समाप्त मिले और वे बिना पहचान पत्र के स्टेशन पर सामान बेचते पाए गए। वहीं 15 अवैध वेंडरों पर अवैधानिक कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में 50 हजार से अधिक के खाद्य सामग्री बरामद की गई है।

रेलवे पुलिस ने कल दुर्ग स्टेशन में विशेष अभियान चलाकर स्टेशन में वेंडरों की जांच की गई। जहां 15 अनाधिकृत वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई की जांच के दौरान प्लेटफॉर्म स्थित स्टॉलों के बाहर बड़ी मात्रा में अवैध रूप से खाद्य सामग्री रखी मिली जिस से यात्रियों को आने-जाने और सामान खरीदने में दिक्कत हो रही थी.इस कार्रवाई में 2940 पानी की बोतल,96 फरूटी, 91 चिप्स पैकेट,11 केक पैकेट के साथ केला,अंगूर और खीरे के कैरेट जब्त किए गए। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। आरपीएफने जब्त सामान को रेलवे के पार्सल कार्यालय को सौंप दिया गया है

दुर्ग आरपीएफ प्रभारी संजीव सिन्हा ने बताया कि रेलवे स्टेशन में विशेष रूप से वेंडरों के खिलाफ अभियान चलाकर जांच की गई। जिसके वेंडरों और स्टेशन के स्टॉल की जांच की गई। जांच में सामने आया कि कमर्शियल विभाग द्वारा स्टॉल संचालन और आवंटन से जुड़े नियमों की अनदेखी के चलते पहचान पत्र समाप्त होने के बाद भी नए कार्ड जारी नहीं होने से अवैध वेंडर खुलेआम प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहे। वहीं, वाणिज्य विभाग द्वारा अभियान चलाकर 10 अवैध वेंडरों को पकड़ा है। जिन्हें आरपीएफ के सुपुर्द कर कार्रवाई की गई।

संपादकीय

मितव्ययिता का दिखावा

हिमाचल में बचत की कोशिश कारगर नहीं

इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से जूझ रहा है। लेकिन उससे उबरने के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं, उनकी तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नौकरशाहों के वेतन में कटौती का फैसला, बचत करने के एक सांकेतिक प्रयास के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह जनता को बताने की राजनीतिक कवायद हो सकती है कि हम राज्य में वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह कदम संकट से उबारने में किस हद तक मदद कर पाएगा। बहरहाल, यह प्रयास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य के सामने गहरे वित्तीय संकट की स्थिति बन रही है। लेकिन हकीकत यही है कि यह कदम राजनीतिक रूप से एक प्रतीकात्मक होने के बावजूद राज्य के सिमटते खजाने को कोई ठोस राहत नहीं देने वाला है। यदि इससे जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो वास्तविकता सामने आ जाती है। मुख्यमंत्री के वेतन में पचास फीसदी, मंत्रियों के वेतन में तीस फीसदी तथा विधायकों के वेतन में बीस फीसदी की छह माह के लिये कटौती, आठ-दस हजार करोड़ रुपये के घाटे को कितना कम कर पाएगी? निश्चित रूप से राजस्व घाटे के अनुपात में यह बचत नगण्य ही होगी। हां, जनता को यह संदेश, उनके त्याग करने के रूप में पहुंचाने की कवायद जरूर होगी।

> “ यह जनता को बताने की राजनीतिक कवायद हो सकती है कि हम राज्य में वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह कदम संकट से उबारने में किस हद तक मदद कर पाएगा। बहरहाल, यह प्रयास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य के सामने गहरे वित्तीय संकट की स्थिति बन रही है। लेकिन हकीकत यही है कि यह कदम राजनीतिक रूप से एक प्रतीकात्मक होने के बावजूद राज्य के सिमटते खजाने को कोई ठोस राहत नहीं देने वाला है।

यहां विचारणीय तथ्य यह है कि राज्य में यह वित्तीय संकट अचानक नहीं आया है। यह संरचनात्मक विसंगतियों की ही परिणति है। निर्विवाद रूप से केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान की वापसी ने संघीय हस्तांतरण पर राज्य की दीर्घकालीन निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस बीच वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे निश्चित व्यय बजट राज्य की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए हुए हैं, जिसमें बदलाव की गुंजाइश बहुत कम रह गई है। ऐसे पर परिदृश्य में, वेतन में कटौती आर्थिक समाधान से अधिक एक राजनीतिक संकेत मात्र ही है। यह सरकार को कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित किए बिना या स्थापित व्यय पद्धतियों का सामना किए बिना नैतिक रूप से श्रेष्ठ होने का दावा करने का अवसर देता है। निस्संदेह, राजकोषीय विवेक के लिये समय-समय पर कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। मसलन सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना, कर आधार का विस्तार करना और विकासोन्मुखी पूंजी निवेश को प्राथमिकता देना जरूरी होता है। इसके बिना, अस्थायी समाधान शासन की एक नियमित लोकलुभावनी परिपाटी बनने का जोखिम भी बना रहेगा। यह घटनाक्रम संघीय राजकोषीय ढांचे के भीतर पहाड़ी राज्यों की नाजुक स्थिति पर भी सवाल उठाता है। केंद्र सरकार से मिलने वाली सहायता पर अत्याधिक निर्भरता, उन्हें उन नीतिगत बदलावों के प्रति संवेदनशील बनाती है, जो वास्तव में उनके नियंत्रण से बाहर हैं। आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये हस्तांतरण की एक अधिक पूर्वानुमानित और न्यायसंगत प्रणाली आवश्यक है। अंतत: वेतन में कटौती से सरकार को कुछ समय तो मिल सकता है, लेकिन इससे उसे राजकोषीय मजबूती नहीं मिलेगी। निश्चित रूप से इसके लिये सुधारों को अपनाना होगा।

हर व्यक्ति या परिस्थिति में ईश्वर को अवश्य ढूंढिए

पं. विजयशंकर मेहता

जिस दुनिया को हम जानते हैं, उससे भी ज्यादा अनजानी दुनिया है। मैं इन दिनों चार देशों- फिनलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे और स्वीडन की यात्रा पर हूं। यहां मेरे प्रवचन चल रहे हैं। जितने लोगों से मिलता हूं, जितने दृश्य देखता हूं, लगता है कि हरेक के भीतर एक नई दुनिया है। जो कुछ इस उम्र में हमने जाना है, देखा है, उससे कई गुना अनदेखा रह गया। इसलिए जीवन में आने वाला हर दृश्य और हर व्यक्ति परमात्मा का प्रसाद मानकर स्वीकारा जाए। ईश्वर हमें बहुत कुछ सिखाने के लिए नया-नया दिखाता है। तुलसीदास जी ने एक पंक्ति लिखी है- निज प्रभुमय देखहिं जगत् केहि सन करहिं बिरोध। इस सारे जगत को मैंने अपने ईश्वर जैसा देखा है तो फिर किससे विरोध करें अगर किसी दृश्य को देखकर अच्छा लग रहा है तो मानकर चलिएगा उसमें ईश्वर बसा है। दु:ख आए तो अपने दोष ढूंढना, सुख आए तो ईश्वर की कृपा मानना। नए दृश्य और नए व्यक्ति मिलें तो समझना कहीं न कहीं भगवान ही मिला है, नए का आनंद और बढ़ जाएगा।

युद्ध और कला व संस्कृति की क्षति

ज्योति मल्होत्रा

दुखद है कि युद्ध व संघर्ष में कला-संस्कृति व पुरातत्व से जुड़ी चीजों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। देश के बंटवारे के परिणाम स्वरूप हुई अदला-बदली में सांस्कृतिक कलाकृतियां का भी भारी नुकसान हुआ। ईरान भी हालिया युद्ध की कीमत चुका रहा है।

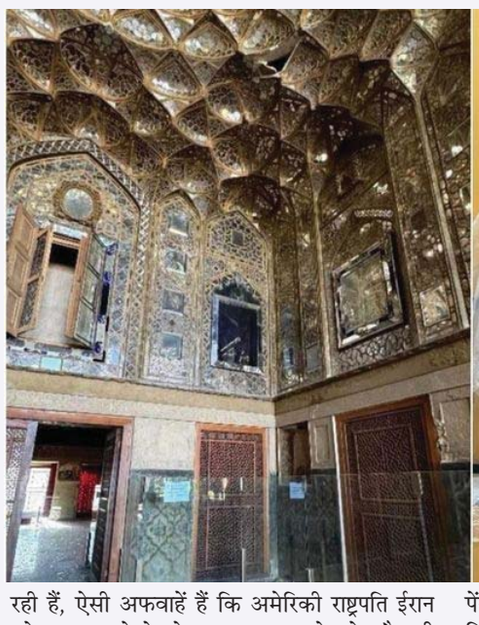

चंडीगढ़ के सेक्टर-9 में दिन-दहाड़े हुई एक हत्या को लेकर पिछले कुछ दिनों से शहर हिला और सहमा हुआ है। शहर का वह हिस्सा, जो अपने लाल सुर्ख बोगनवेलिया फूलों के लिए बेहतर जाना जाता है न कि गोलियों की बौछार के बाद स्थानीय गैंगस्टर के बिखरे लाल लहू के रंग से। चूंकि घटना के कई निष्कर्ष हो सकते हैं, बेहतर होगा कि हम आगे बढ़ें और पास के सेक्टर-10 की बात करें। यहां पिछले कुछ महीनों से ली कॉर्बूजिए द्वारा डिज़ाइन सरकारी संग्रहालय और आर्ट गैलरी में एक अलग किस्म की हिंसा जारी है। गनीमत है कि यहां जंग जुबानी रही—वह जगह जो कभी पंजाब के सबसे बड़े संस्कृति एवं कला विद्वान, बी.एन. गोस्वामी का अड्डा हुआ करती थी—वह नवीनीकरण योजना के कारण अब थमती नज़र आ रही है, जिसे हाल में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को सौंपा गया है; जिसकी लागत 30 करोड़ रुपये अनुमानित है।

जब आपके आस-पास हर तरफ अफरा-तफरी मची हो, जिसमें ईरान के इस्फहान और खरग द्वीप पर हुई बमबारी भी शामिल है (ये दुनिया के दो सबसे खूबसूरत शहरों में से हैं, तुर्रा यह कि बमबारी दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र, अमेरिका द्वारा की जा रही है)—तो आप सवाल पूछ सकते हैं, क्या एक संग्रहालय मायने रखता है? या, क्या एक संस्कृति मायने रखती है? क्या तेल की कीमतों को कम रखना ज़्यादा ज़रूरी है? शायद इसीलिए कहा जा रहा है कि अमेरिकी अब खरग द्वीप पर कब्ज़ा करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि ईरानियों पर दबाव डालकर 'होर्मुज़ जल-डमरू' को फिर से खोला जा सके, जिससे होकर दुनिया का एक-तिहाई तेल गुज़रता है।

दरअसल, खरग द्वीप पर तेल-शोधन का एक विशाल संयंत्र है, जिसके माध्यम से ईरान के कुल निर्यात का 90 प्रतिशत तेल साफ किया जाता है। 13 मार्च को हुई बमबारी में, ट्रंप ने तेल सुविधाओं को बख्श दिया था। लेकिन जैसे-जैसे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, ऐसी अफवाहें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान को जल्द घुटने टेकने पर मजबूर करने को और भी कड़े कदम उठा सकते हैं।

केवल पांच मील लंबा होने के कारण, खरग द्वीप को एक आकर्षक विकल्प माना जा रहा है। उल्लेखनीय कि यह टापू 500 साल पुराने एक पुर्तगाली मठ का भी स्थान है—कुछ लोगों का मानना है कि इसका श्रेय 1507 में एशिया में पुर्तगाली साम्राज्य की नींव रखने वाले जनरल अल्फोंसो डी अल्बुकर्क को है। गोवा को भी अल्बुकर्क ने 1510 में बीजापुर के सुल्तान से लिया था। इसके महज 16 साल बाद, 1526 में, यहीं उत्तर भारत में, फ़रगना के तैमूरी शहज़ादे ज़हीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने पानीपत में अपने ही एक मुस्लिम बिरादर, इब्राहिम लोदी को हराकर, जल्द ही खुद को हिंदुस्तान का बादशाह घोषित कर डाला था।

आज जब हमारे टीवी स्क्रीन पर युद्ध के विस्फोटों के दृश्य चल रहे हैं, तो साम्राज्यों के उदय और पतन और उससे जुड़ी हिंसा को समझना ज़्यादा आसान हो जाता है। पंजाब भारत के उन दो राज्यों में से एक है (दूसरा है बंगाल), जिसकी गहरी यादें विभाजन की बर्बरता से जुड़ी हैं; राजकीय संग्रहालय और कलादीर्घाएं 1947 में देश के बंटवारे का जीती-जागती गवाह हैं। दुखद है कि बंटवारे के परिणामवश हुई हिंसा में दस लाख से ज़्यादा लोग मारे गए और लगभग 1.7 करोड़ लोग एक देश से दूसरे मुल्क में विस्थापित हुए—हर चीज़, यहां तक कि सांस्कृतिक कलाकृतियों का भी बंटवारा हुआ था। प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस ने इसी माह खुशवंत सिंह की किताब 'ट्रेन टू पाकिस्तान' का संस्करण पुन: जारी किया है, इसकी प्रस्तावना बेजोड़ पाकिस्तानी इतिहासकार एफएस. ऐजाजुद्दीन ने लिखी है। लाहौर संग्रहालय ने अतुलनीय गांधार मूर्तियों का 60 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखा, जबकि शेष हिस्सा चंडीगढ़ संग्रहालय को मिला, जिसमें 627 कलाकृतियां थीं। यहां तक कि बुद्ध के पदचिह्न, जिन्हें 'बुद्धपाद' कहा जाता है, तीसरी सदी की ग्रेनाइट की बनी इस कलाकृति को भी नहीं बख्शा गया। एक पदचिह्न लाहौर ने अपने पास रखा और दूसरा चंडीगढ़ को मिला।

ऊपरी मंजिल पर चलिए, मूर्ति दीर्घा की ओर, तब आपको इस खूबसूरत संग्रहालय में लगातार हो रही वह हिंसा देखने को मिलेगी जिससे मेरा अभिप्राय है। पिछले कुछ समय से छत से पानी टपक रहा है, इसलिए प्राचीन मूर्तियों को ऐसे आवरण से ढक रखा है जो पहले कहीं और इस्तेमाल की जा चुकी 'बबल रैप शीट' जैसा है। काम अभी भी बेतरतीब और धीरे-धीरे चल रहा है।

कई सौ साल पुरानी बोधिसत्व की खड़ी मूर्ति पर सुतली से बंधा बबल रैप शीट हटाते हुए एक परिचायक ने कहा 'इधर देखिए,' और साथ ही यह भी जोड़ा कि उसे प्लास्टिक की पन्नी हटाने की मनाही है, लेकिन मैं देखने की इच्छुक थी। संग्रहालय की नई व मिलनसार निदेशक, ईशा कंबोज का कहना है कि वह संग्रहालय के जीर्णोद्धार योजना को पूरा करने के लिए पूरी तरह से दृढ़-संकल्पित हैं। खुशकिस्मती से, केंद्र सरकार इस बात से वाकिफ है कि भारत का उभरता मध्यम वर्ग देश के गौरवशाली अतीत में कितनी गहरी दिलचस्पी ले रहा है—दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय, 'युगे युगीन', नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को दफ्तरों से खाली करने के बाद वहां आकार लेने लगा है। चंडीगढ़ संग्रहालय के लिए, 'प्रधानमंत्री संग्रहालय' यानी भारत के प्रधानमंत्रियों पर बना संग्रहालय, जो कभी नेहरू संग्रहालय हुआ करता था— को नमूने के तौर पर माना जा रहा है।

विभाजन के दौरान सांस्कृतिक धरोहरों का बंटवारा एक अजीब-सी ज़िद तक ही सीमित रहा—सिंधु घाटी में मिले जेड और अगेट (सुलेमानी पत्थर) से बने हार की कहानी बहुत कुख्यात है, उसको बीच से काटकर दो हिस्सों में बांट दिया गया। पाकिस्तान को उस हार के 10 जेड मनकों में 6 और पेंडेंट के 4 मनकों में 3 मिले, शेष भाग भारत के हिस्से आया।

सभ्यता की तबाही के दौर में—भला कौन 2003 में हुई मेसोपोटामिया की तबाही को भूल सकता है? प्राचीन इराक का वह पालना स्थल, जो टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियों के मध्य बसा था, और जिसे अमेरिकियों ने सद्दाम हुसैन को मारने की कोशिश में तबाह कर डाला था—ठीक वैसे ही, जैसा आजकल अमेरिका और इस्राइल मिलकर ईरान के साथ कर रहे हैं; तो ऐसे में आप भारतीय और पाकिस्तानी नौकरशाही की उस अजीब-सी सूझ-बूझ के लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा करते हैं। 'द गार्डियन' अखबार ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि 'नीले शहर' के नाम से मशहूर इस्फहान में, 'चेहेल सोतून' नाम का 20 खंभों वाला फारसी शैली के मंडप वाला बगीचा, 'अली कापू' महल, 'मस्जिद-ए-जामे' के अतिरिक्त 'नक़्श-ए-जहां' चौक के आसपास बनी कई अन्य मस्जिदें, पिछले दो हफ़्तों की बमबारी से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

2021 में अफगानिस्तान में तालिबान पुन: वापसी होने से पूर्व, मैंने से देखा था कि काबुल संग्राहलय के विरासत की साज-संभाल करने वाले कर्मियों ने कितनी शिद्दत-मेहनत के साथ ग्रेनाइट के टूटे हुए टुकड़ों को जोड़कर बुद्ध की उन मूर्तियों को फिर से खड़ा किया था, जिन्हें 1996 में पहली बार शहर में घुसते ही तालिबानियों ने तोड़कर तबाह कर दिया था। हालांकि इस बार, तालिबान ने यह वादा किया है कि वे म्यूज़ियम के अंदर रखी किसी भी चीज़ को हाथ नहीं लगाएंगे। शायद, एक दिन, इंसानियत की भावना ही विजयी होगी। जैसा कि सदा से होता आया है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

कौन कहता है कि बाहरी संकट घरेलू व्यवसायों को खत्म करते हैं?

एन. रघुरामन

जब पूरा देश कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर्स की भारी कमी से जूझ रहा था तो कई इनोवेटिव होटलियर्स ने नए आइडिया विकसित किए। इन आइडियाज ने न सिर्फ उस बिजनेस के लोगों को चौंकाया, बल्कि इनमें से कुछ लंबे समय तक टिकने वाले भी हैं- जैसे कोविड में शुरू हुआ वर्क फ्रॉम होम आज भी कई जगह जारी है। ऐसे ही कुछ प्रमुख आइडिया यहां पेश हैं।

मुंबई के निकट उल्हासनगर के कैटरर्स के ऐसे इनोवेटिव आइडिया से न सिर्फ उनका व्यवसाय चल रहा है, बल्कि फलफूल भी रहा है। वे अलग-अलग प्राइजिंग के साथ एक नया बिजनेस मॉडल लाए, जिसे ग्राहकों ने भी अपनाया। उनके मेन्यू कार्ड में इसे 'सिलेंडर प्लान' कहा गया। इसमें ग्राहक को खुद का सिलेंडर लाना होता है, जिसे 'ब्रिंग योर ओन सिलेंडर' (बीबायओसी) कहते हैं।

अब इस उपनगरीय इलाके में वंदना कैटरर्स के सागर सोना कोई ऑर्डर रिजेक्ट नहीं करते। चाहे वह शादी हो, बर्थडे पार्टी, बेबी शावर, नामकरण उत्सव हों या पुण्यतिथि जैसे सामाजिक कार्यक्रम। परिवार बीबायओसी अपना रहे हैं और कैटरर्स का खोया बिजनेस वापस मिल रहा है।

कुछ मोबाइल रेस्तरां ने 'प्री-ऑर्डर पिकअप स्टेशन' शुरू किए हैं, जिसमें 'प्री ऑर्डर स्ट्रैटजी' को प्रोत्साहित किया गया है। इसमें ग्राहक पहले-से ऑर्डर करता है, ताकि किचन में एक जैसी डिशेज एक साथ बनाकर गैस बचाई जा सके। इन डिशेज को पिकअप करने के लिए वे स्टोर में खास जगह बनाते हैं। इसकी लागत पहले से कम पड़ती है।

गुजरात में टी स्टॉल्स और छोटे कैफेज दरवाजों पर सोलर कंसंट्रेटर लगा रहे हैं। चाय, कॉफी का पानी उबालने के लिए पैराबॉलिक मिरर लगाने का यह आइडिया असल में बिजनेस ट्विस्ट भी है, जो लोगों को आकर्षित करता है।

यह ग्राहकों को बताता है कि 'हमारे दाम स्थिर हैं, क्योंकि सूरज तो फ्री है।' इससे बिजनेस 'गैस निर्भर ईटरी' के बजाय 'नई तकनीक वाले ग्रीन कैफे' में बदल रहे हैं, जो युवाओं और पर्यावरण प्रेमियों को आकर्षित करता है।

रेस्तरां की बात करें, तो छोटे रेस्तरां में सबसे बड़ा चलन है कि वे कम कीमत पर कम मात्रा वाला खाना दे रहे हैं। इनमें 'मिनी मील्स' सबसे ज्यादा बिक रहा है। इससे इन रेस्तरां को ऐसे नए ग्राहक मिल गए हैं, जिनके बारे में उन्होंने सोचा तक नहीं था। यकीन मानिए, गैस सप्लाई सुचारू होने पर भी ये नए ग्राहक उन्हें कुल बिक्री का एक तिहाई हिस्सा देते रहेंगे।

कुछ ग्रेड-1 रेस्तरां अब 1000 कैलोरी वाला खाना देने लगे हैं, जिससे कैलोरी कॉन्शस लोगों को मेनू में नया विकल्प मिला है। इन मेनू के मेन कोर्स में कच्चा सलाद, हल्का उबला खाना और कम तला भोजन होता है। 'रॉ-बार' तेजी से बढ़ रहे हैं।

'1000 कैलोरी मील' से भी आगे कई भारतीय शहरी कैफे 'फायरलेस फ्रंट्स' शुरू कर रहे हैं, जिनमें कार्पेसियो, स्प्राउटेड सलाद, फर्मेंटेड प्रोबायोटिक बाउल्स और कोल्ड सूप (जैसे गजपाचो) के अलग काउंटर होते हैं।

खाने से 'फायर' यानी आग हटाकर वे गैस की भारी जरूरत को घटा देते हैं। इन आइटम्स में ज्यादा मुनाफा होता है, क्योंकि इनमें चाकू से काटने और सजाने की स्किल तो ज्यादा लगती है, लेकिन ईंधन नहीं लगता।

ढाका के रेस्तरां 'ऑन-डिमांड' कुकिंग के बजाय 'टाइमलाइन मेन्यू' की ओर बढ़ रहे हैं। रेस्तरां के बाहर समय प्रदर्शित होता है- 'फ्रेश बिरयानी दोपहर 1, 4 और रात 8 बजे मिलेगी।' दिन में सिर्फ तीन बार बर्नर जला कर एक साथ बड़ी मात्रा में खाना बनाया जाता है, जिसमें वे गैस का बेहतर इस्तेमाल करते हैं। ग्राहक भी भूख को इसी के अनुसार ढाल लेते हैं, जिससे चुनिंदा घंटों में भीड़ और उत्साह का माहौल बनता है।

याद रखिए, ऐतिहासिक रूप से युद्धों ने कभी वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ने की क्षमता समाप्त नहीं की। इंसान बुद्धि का इस्तेमाल कर अपने संसाधनों को नए सिरे से व्यवस्थित करने के लिए सुविख्यात हैं। वे ऐसा न सिर्फ जीने के लिए, बल्कि आगे बढ़ने के लिए भी करते हैं।

फंडा यह है कि मौजूदा युद्ध की तरह जब भी कोई अप्रत्याशित घटना होती है तो इंसान संकट से निपटने वाले इनोवेशन के लिए जाना जाता है। ऐसे में लोग 'साधारण लीडर' बने रहने के बजाय 'थॉट-लीडर' बनकर समाधान ढूंढ़ते हैं।

भगत सिंह के मार्क्सवादी विचारों की तार्किकता

भगवान जोशी

वर्ष 1925 से 1928 के बीच, भगत सिंह ने बहुत ज्यादा पढ़ा; उन्होंने रूसी क्रांति व सोवियत संघ पर लिखी किताबें पढ़ीं। 1920 के दशक में, क्रांतिकारी आंदोलनों पर सबसे अधिक जानकारी रखने वालों में भगत सिंह का नाम भी शामिल था।

'भगत सिंह न केवल भारत के महानतम? स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारी समाजवादियों में से एक थे, बल्कि वे शुरुआती मार्क्सवादी विचारकों-सिद्धांतकारों में से भी एक थे। उनका बाद वाला पहलू अपेक्षाकृत कम ज्ञात है, फ्लत: प्रतिक्रियावादी, रूढ़िवादी और सांप्रदायिक लोग अपनी राजनीतिक विचारधारा हेतु भगत सिंह और साथियों—जिनमें चंद्रशेखर आज़ाद भी शामिल हैं—के नाम-यश का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं।'

उपरोक्त शब्द मेरे मार्गदर्शक, प्रो. बिपन चंद्र ने भगत सिंह के बीस-पृष्ठों वाले लेख 'मैं नास्तिक क्यों हूं' की प्रस्तावना में लिखे थे; लेख पंजाबी कवि अमरजीत चंदन ने 1979 में खोजा था। पिछले 40 वर्षों में, भगत सिंह का यह ऐतिहासिक मूल्यांकन निर्विवाद तथ्य की ताकत पा चुका है। पाठकों के मानस में बैठाने को उनकी 'जेल नोटबुक' के कई संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं कि यह किताब प्रतिष्ठित विचारकों और दार्शनिकों के विचारों की भगत सिंह द्वारा की गई पड़ताल एक नई खिड़की खोलती है।

गदर आंदोलन के इतिहासकार हरीश पुरी लिखते हैं—'हालांकि जहां कहीं से उन्होंने ये नोट्स या उद्धरण उठाए, उन स्रोतों या किताबों के बारे में दी गई अधूरी जानकारियों ने एक उलझन भरा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। यानी, ये उद्धरण किन लेखकों विशेष से, किन किताबों के किस संस्करण से लिए गए थे? फ्लत: भगत सिंह जेल में जिन महान विचारकों की किताबों-रचनाओं का अध्ययन कर पाए थे, उसको लेकर उनके प्रशंसक विद्वानों ने कई मनगढ़ंत दावे-बेबुनियाद अटकलें लगा लीं।'

1925 से 1928 के बीच, भगत सिंह ने बहुत ज्यादा पढ़ा; उन्होंने रूसी क्रांति व सोवियत संघ पर लिखी किताबें पढ़ीं। 1920 के दशक में, क्रांतिकारी आंदोलनों पर सबसे अधिक जानकारी रखने वालों में भगत सिंह का नाम भी शामिल था। वर्ष 1928 के अंत में उन्होंने व साथियों ने समाजवाद को अपनी गतिविधियों का अंतिम लक्ष्य मान अपने संगठन का नाम 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' से बदलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' कर दिया था।

सवाल है कि क्या भगत सिंह को मार्क्सवाद से भारतीय राष्ट्रवाद की समकालिक राजनीति, मज़दूर वर्ग के आंदोलनों और ऐतिहासिक-सामाजिक यथार्थ को समझने में मदद मिली? मार्क्सवाद पर ऐसी महारत, जो सिर्फ़ किताबों में लिखी बातों को समझने का एक अभ्यास भर हो, वह 'ब्राह्मणवादी मार्क्सवाद' बनकर ही रह जाएगा; जब तक कि वह पार्टी के बुद्धिजीवियों को 'व्यावहारिक सिद्धांत' का एक ढांचा पेश कर, समय की सामाजिक सच्चाई से निष्पक्ष होकर जुड़ने में मदद न करे।

तो फिर, किसे मार्क्सवादी विचारक कहा जा सकता है? यह सवाल इटली के बुद्धिजीवी एंटोनियो ग्राम्शी की याद दिलाता है, जो ठीक भगत सिंह की तरह ही, और ठीक उसी समय, फ़ासीवादी मुसोलिनी की जेल में, 1937 में अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले तक कैद में रहे। इन कठिन परिस्थितियों में भी, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रांतिकारी आंदोलन की ठोस समस्याओं, उसकी असफलताओं और सफलताओं को समझने-सुलझाने के लिए अपना पढ़ने-लिखने का काम जारी रखा।

इन दिनों, पश्चिम एशियाई संकट की बहसों में, ट्रंप और नेतन्याहू के रणनीतिक लक्ष्यों को समझाने के लिए 'आधीनता की अवधारणा' का खूब ज़िक्र किया जाता है। तथ्य यह है कि वहां सत्ता परिवर्तन के लिए अमेरिका और इस्राइल को सबसे पहले ईरानी समाज पर हावी होकर उसे पूरी तरह से झुका डालना होगा। जब कोई राष्ट्र या समाज, किसी दूसरे सामाजिक समूह द्वारा शासित होने के लिए ज़बरदस्ती से मजबूर किया जाता है, तभी 'आधीनता' स्थापित हो पाती है। पराजित लोगों के लिए यह बहुत ही कठिन क्षण होता है। उदाहरणार्थ, 1857 के नाराज़ भारतीय विद्रोहियों को, ब्रिटिश सेना और सिख सैनिकों द्वारा हराए जाने के बाद, ब्रिटिश राज की आधीनता स्वीकार करने के लिए तब राज़ी हो पाए, जब उन्होंने देखा कि उनके कुलीन वर्ग को राज का हिस्सा बना लिया गया है। सर सैयद अहमद खान, जिन्हें 1888 में ब्रिटिश सरकार द्वारा 'नाइट कमांडर ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ द स्टार ऑफ़ इंडिया' के सम्मान से नवाज़ा गया थाङ्क उन्हें अपने साथ जोड़कर नए शासकों की आधीनता स्वीकार करने के लिए राजी किया गया। उन्होंने भारतीय मुसलमानों के बीच विमर्श रखा कि समुदाय की तरक्की के लिए सहयोग, अथवा ब्रिटिश आधीनता को स्वीकार्य करना जरूरत है। भाव यह कि सत्ता परिवर्तन के बिना आधीनता कायम नहीं की जा सकती। भगत सिंह का मानना था कि गांधी का अहिंसा का मार्ग, भारत को अर्ध-अधीनस्थ राष्ट्र बनाने में सहयोग करने जैसा है।

इसीलिए साइमन विरोधी प्रदर्शनों के दौरान, भगत सिंह और उनके साथियों ने लाला लाजपत राय पर हुए लाठीचार्ज का दोष ब्रिटिश अधिकारी जेम्स स्कॉट पर मढ़ा, लेकिन वे इस बात से अनजान रहे कि असल में यह पंजाब पुलिस के सिपाही थे, जिन्होंने उन्हें पीटा था।

भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों का मानना था कि ब्रिटिश वर्चस्व की ताकत इतनी भर है कि अगर गांधी आड़े न आएं, तो वे ब्रिटिश शासन को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने में कामयाब हो जाएंगे। परंतु वे यह नहीं देख पाए कि वही ब्रिटिश राज उन्हें मीडिया के ज़रिए अपने विचारों का प्रचार करने की अनुमति कैसे और क्यों कर दे रहा है, उन्हें अदालत तक में क्रांतिकारी गीत गाने की छूट क्यों मिली, अथवा जेल अधिकारी उन्हें किताबें पढ़ने की इजाज़त क्यों देते हैं।

यह संक्षिप्त चर्चा इस तथ्य को रेखांकित करती है कि भगत सिंह को मार्क्सवाद की केवल बुनियादी समझ ही थी। वे आधुनिक, केंद्रीकृत और नौकरशाही-आधारित राज्य की अत्यंत जटिल वास्तविकता के साथ रचनात्मक रूप से जुड़कर कोई नया वैचारिक ढांचा गढ़ने या अपनाने में असमर्थ रहे; जबकि इस राज-व्यवस्था को करोड़ों भारतीयों की सहमति से ही वैधता प्राप्त थी। वास्तव में, वे अकाली आंदोलन (1925) के अनुभवों को भी आत्मसात नहीं कर पाए—जो कि इस उपमहाद्वीप का पहला महान और शांतिपूर्ण जन-आंदोलन था, जिसे ब्रिटिश अधिकारियों ने कुचलने का प्रयास किया था। दरअसल, भगत सिंह केवल असफल 'ग़दर आंदोलन' को ही समझ पाए। लेकिन उसकी असफलता से कोई सबक सीखने के बजाय, उन्होंने आंख मूंदकर ग़दरपंथियों का मार्ग चुना।

लेखक जेएनयू में इतिहास के प्रोफेसर हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

लॉजिस्टिक दक्षता : भिलाई इस्पात संयंत्र में डिजिटल पहल से कार्यकुशलता एवं ग्राहक सेवा में वृद्धि का प्रयास

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के मार्केटिंग एवं बिजनेस प्लानिंग विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में दिनांक 18 मार्च, 2026 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सी एंड आईटी विभाग द्वारा एम एंड बीपी विभाग के प्रमुख प्रणालियों के उन्नयन में दिए गए महत्वपूर्ण सहयोग एवं समन्वित प्रयासों की सराहना की गई। इन डिजिटल पहलों का उद्देश्य लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार तथा ग्राहक सेवा को सुदृढ़ करना रहा।

इन डिजिटल पहलों के अंतर्गत डिलीवरी ऑर्डर वितरण प्रणाली का स्वचालन किया गया, जिसके तहत अब डीओ सीधे ब्रांच मैनेजरों एवं एसआरएम कार्यालय को प्रेषित किए जायेंगे, जिससे क्षेत्रीय हितधारकों को आवश्यक दस्तावेज तत्काल उपलब्ध होगा। वहीं एरिया पास रिक्वेस्ट सिस्टम

(एपीआरएस) को मोबाइल अनुकूल बनाते हुए इसमें सुधार किया गया है, जिससे कार्य निष्पादन में समय की बचत एवं प्रक्रियाओं में सुगमता आई है। इसके अतिरिक्त आधार से जुड़े यूनिक प्रतिनिधि आईडी के माध्यम से डुप्लीकेसी समाप्त की गई है तथा नीलामी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया गया है।

इन डिजिटल हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि, त्रुटियों में कमी, समय की बचत एवं समग्र संचालन में सुचारूता प्राप्त हुई है। इन पहलों को हितधारकों द्वारा भी सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिससे एम एंड बीपी विभाग की कार्यकुशलता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

इन पहलों को कार्यान्वित करने में उप प्रबंधक शैलेश दुबे, सहायक महाप्रबंधक अजय तिवारी, महाप्रबंधक शुभा बंछोर, सहायक महाप्रबंधक रितेश अवधिया, की भूमिका रही।

प्रमुख खबरें

रोड खोदकर सड़क पर डाला मलबा, आना-जाना मुश्किल

भिलाई। रिसाली दशहरा मैदान से नगर निगम रिसाली मुख्यालय जाने वाले प्रमुख रोड की हालत खराब है। इस रोड को ?कुछ साल पहले ही डामरीकरण कर बनाया गया था। लेकिन पाइप लाइन बिछाने के लिए ठेका एजेंसी ने एक साइड की पूरी रोड खोद दी और पाइप लाइन बिछाने के बाद रोड को सीमेंटीकरण कर दिया है। लेकिन रोड को उबड़-खाबड़ बना दिया है। खराब रोड की वजह से इस रोड पर चलने पर गाड़ियों हिचकोले खाते हुए चलती है।

नटराजन ने सेल के निदेशक (वा.) का कार्यभार संभाला

भिलाई। टीएन नटराजन ने 19 मार्च 2026 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक (वाणिज्यिक) का पदभार ग्रहण किया। नटराजन के पास उत्पादन, लॉजिस्टिक्स और विक्रय के क्षेत्र में 32 वर्षों से अधिक का लीडरशिप अनुभव है। वे वर्ष 1993 में एक 'मैनेजमेंट ट्रेनी' के रूप में सेल में शामिल हुए और विनिर्माण परिचालन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रणनीतिक विपणन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई। उनके पास निरंतर कंपनी के विकास और बाजार विस्तार को सुनिश्चित करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है।

भिलाई बचाओ आंदोलन की अनोखी पदयात्रा

भिलाई। भिलाई बचाओ आंदोलन के द्वितीय चरण के तहत भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र समेत टाउनशिपवासियों ने बीएसपी सेल प्रबंधन के खिलाफ सिविक सेंटर पार्किंग से 25 मिलियन सेक्टर-5 चौक तक 1000 कदम की मौन पदयात्रा की। जनहित के विषयों को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ड्रग्स पर शिकंजा : 65 विवेचकों को दिया गया हाईटेक प्रशिक्षण, केस में बढ़ेगा कन्विक्शन रेट

एनडीपीएस एक्ट के मामलों में अब नहीं होगी कोई चूक, नही बच पाएंगे आरोपी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। अब ड्रग्स तस्करों के लिए बच निकलना आसान नहीं होगा। दुर्ग पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामलों में ढिलाई और तकनीकी खामियों पर सीधा वार करते हुए 65 विवेचकों को ऐसा प्रशिक्षण दिया है, जो जांच की पूरी तस्वीर बदल सकता है-जप्ती से लेकर कोर्ट में साक्ष्य तक हर कदम अब ज्यादा मजबूत और कानूनन पुख्ता होगा।

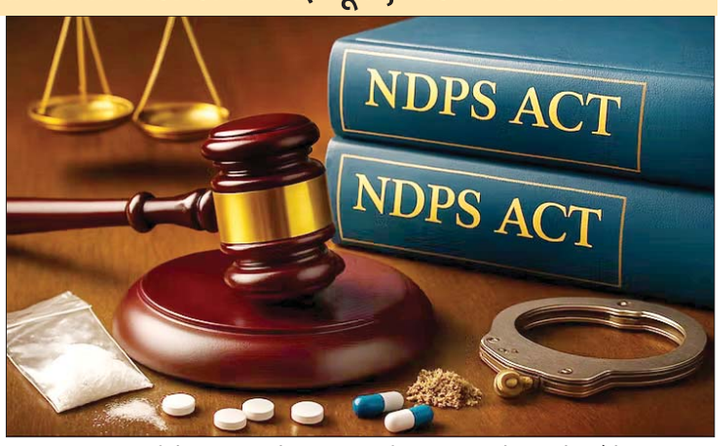

दुर्ग पुलिस ने नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में जांच को धार देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। 22 मार्च 2026 को पुरानी पुलिस लाइन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हाल में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एएसआई से लेकर निरीक्षक स्तर तक कुल 65 विवेचकों ने हिस्सा लिया।

उद्देश्य साफ था—एनडीपीएस एक्ट के मामलों में कोई भी तकनीकी चूक अब आरोपियों को फायदा न दे सके। प्रशिक्षण के दौरान जांच की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। मौके पर कार्रवाई से लेकर सैंपलिंग, जप्ती, एफएसएल जांच और कोर्ट में चालान पेश करने तक हर स्टेप को विस्तार से बताया गया। खास तौर पर 'चेन ऑफकस्टडी' पर फोकस रखा गया, ताकि सबूतों की विश्वसनीयता पर कोई सवाल न उठे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर विवेचक को कानून के हर प्रावधान का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि मजबूत जांच ही सफल अभियोजन की कुंजी है और इसके लिए प्रशिक्षण को नियमित बनाया जाएगा। प्रशिक्षण में एजीपी प्रकाश शर्मा ने केस स्टडी के जरिए बताया कि छोटी-छोटी लापरवाहियां कैसे बड़े केस को कमजोर कर देती हैं। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कसार और के.के. द्विवेदी ने कोर्ट के नजरिए से साक्ष्य संकलन और दस्तावेजीकरण की बारीकियां समझाईं, ताकि केस ट्रायल के दौरान टिक सके। एफएसएल भिलाई के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी पंकज ताम्रकार ने मौके पर सैंपलिंग, दस्तावेज तैयार करने और ओवरराइटिंग से बचने जैसे तकनीकी पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया। उन्होंने साफ कहा कि वैज्ञानिक जांच में छोटी गलती भी पूरे केस को प्रभावित कर सकती है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणिशंकर चन्द्रा ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं—50, 55, 57 और 29—के तहत कार्रवाई की पूरी प्रक्रिया समझाई और बताया कि सह-अभियुक्तों तक पहुंचना भी उतना ही जरूरी है जितना मुख्य आरोपी को पकड़ना। इस पूरे प्रशिक्षण का सीधा संदेश साफ है—अब दुर्ग पुलिस ड्रग्स मामलों में कोई ढिलाई नहीं बरतेगी। हर केस में तकनीकी मजबूती, सटीक साक्ष्य और कानूनी कसावट के साथ कार्रवाई होगी। यानी आने वाले समय में नशे के कारोबारियों के लिए कानून से बच पाना और मुश्किल होने वाला है।

नियमितिकरण की बाट जोह रहे हजारों आवेदन

दुर्ग। राज्य में भाजपा सरकार के गठन के बाद नियमितिकरण पर लगी रोक 12 महीने पहले नई गाइडलाइन जारी होने के बाद हट चुकी है लेकिन अब तक न तो कमेटी की बैठक हुई है न ही लंबित प्रकरणों का निराकरण हो पाया है। कमेटी के सदस्यों को अब तक नई गाइडलाइन की जानकारी तक नहीं दी गई। इससे जिले भर से करीब 3 हजार प्रकरणों की सुनवाई अटकी हुई है। भूपेश सरकार ने अतिरिक्त निर्माण को नियमित करने की जो गाइडलाइन जारी की थी, नई सरकार ने उसे संशोधित करने के लिए नियमितीकरण रोक दिया था।

धर्म-परिवर्तन : भिलाई में सिख परिवार की घर वापसी, गुरुद्वारे में जताई दोबारा आस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शहर से एक अहम खबर सामने आई है, जहां एक सिख परिवार ने ईसाई धर्म अपनाने के बाद फिर से सिख धर्म में वापसी कर ली है। जानकारी के अनुसार, परिवार के चार सदस्यों ने पहले ईसाई धर्म स्वीकार किया था। अब उन्होंने कैंप-2 स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेककर दोबारा सिख धर्म में अपनी आस्था व्यक्त की। इस पहल में यूथ सिख समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। गुरुद्वारे में सिख समाज ने परिवार का स्वागत किया और उन्हें हर परिस्थिति में साथ देने का भरोसा दिलाया। यह घटना फिलहाल भिलाई में चर्चा का विषय बनी हुई है।

इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड में प्रशांत को मिली सफलता

श्रीकंचनपथ समाचार

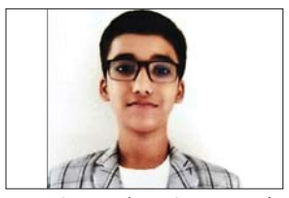

भिलाई। डीपीएस रिसाली के सातवीं कक्षा के छात्र प्रशांत कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। प्रशांत ने लगातार चौथी वर्ष इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड लेवल-2 एग्जाम (आईएमओ) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल विद्यालय स्तर पर बल्कि पूरे भिलाई शहर का मान बढ़ाया है।

प्रशांत ने जोनल स्तर पर 14वीं रैंक और अंतर्राष्ट्रीय/विश्व स्तरीय 1950 वीं रैंक हासिल किया है। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें लगातार चौथे वर्ष लेवल-1 के परीक्षा में गोल्ड मेडल ऑफ

एक्सीलेंस और लेवल-2 के एडवांस(मेन्स) परीक्षा में क्षेत्रीय उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र देने की घोषणा की गई है।

प्रशांत के पिता शिवकांत झा वर्तमान में सीआईएसएफमध्य खंड मुख्यालय भिलाई में अधीनस्थ अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, वही माता कल्पना झा कुशल गृहिणी हैं। झा परिवार मूलत: बिहार के मधुबनी जिला अंतर्गत ग्राम राजनगर सिमरी निवासी है। प्रशांत की इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता के निरंतर प्रोत्साहन और सार्थक प्रयास का बड़ा हाथ है। प्रशांत का कहना है कि भिलाई आने के बाद उन्हें विद्यालय के शिक्षक/प्राचार्य और सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों से जो प्रेरणा और मार्गदर्शन मिला।

प्रशांत ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय प्राचार्य, शिक्षकों और सीआईएसएफ के अधिकारियों को दिया है, जिसके मार्गदर्शन में वह यह मुकाम लगातार हासिल कर रहा है। प्रशांत का अगला लक्ष्य आईओक्यूएम परीक्षा है, जिसके माध्यम से वह अपना स्थान महत्वपूर्ण आईआईटी में सुरक्षित करना चाहता है।

एसएमएस-2 में नई चेतना जागरूकता कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-2 के सभागार में विगत दिनों में सफाई कार्य में संलग्न महिला ठेका श्रमिकों के लिए 'नई चेतना' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, कार्यस्थल पर सुरक्षा तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी के. डी. बघेल, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी आर. के. ठाकुर सहित कुल 15 महिला ठेका श्रमिकों की भागीदारी रही।

कार्यक्रम में कंसलटेंट (एनओएचएस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) शुभश्री प्रशांत ने महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। वहीं उप प्रबंधक (एचआर,मिल्स जोन-1) सुश्री समायला अंसारी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित प्रावधानों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी देते हुए महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी (एचआर-सीओ एवं सीसीडी) प्रवीण कुमार शर्मा ने महिला श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, बोनस, पीएफ, ईएसआईसी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

तांदुला नहर में पानी छोड़ा तो कॉलोनी में घुसा पानी

दुर्ग-भिलाई। भिलाई-3 के डबरा पारा से चरोदा की ओर जाने वाली तांदुला शाखा नहर में पानी छोड़े जाने के बाद रेलवे कॉलोनी में जलभराव हो गया। नहर की सफाई नहीं होने और मरम्मत कार्य अधूरा रहने के कारण पानी सड़कों से होते हुए घरों में घुस गया। इससे करीब एक किलोमीटर क्षेत्र के निवासी परेशान हो गए। सुबह जब लोग नींद से उठकर बिस्तर से नीचे उतरे तो उनके पैरों के नीचे पानी महसूस हुआ। बाहर निकलकर देखा तो सड़क नाले जैसी नजर आ रही थी। सोमवार को नहर का पानी छलककर सड़कों से होते हुए सीधे घरों में घुस गया। कई रेल कर्मचारियों के घरों में पानी भरने से घरेलू सामान भी भीग गया, जिससे नुकसान हुआ।

बीएसपी के सिंटर प्लांट-3 में हॉट एयर फैन की कमीशनिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र में सतत एवं पर्यावरण अनुकूल इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 20 मार्च, 2026 को सिंटर प्लांट-3 के मशीन-1 में हॉट एयर फैन (अनक्लीन-1 एवं 2) का सफलतापूर्वक पुन: संचालन एवं लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय है कि ये फैन पिछले 12 वर्षों से निष्क्रिय थे, जिन्हें संयंत्र के डीकार्बोनाइजेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत पुनर्जीवित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बी. के. बेहेरा ने हॉट एयर फैन का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मेकैनिकल) प्रमोद कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) एच. के. सचदेव, मुख्य महाप्रबंधक (ओएचपी एवं एसपी-3) सजीव वर्गीज तथा महाप्रबंधक (ऑपरेशन, एसपी-3) एससी चंवारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी

उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है हॉट एयर फैन के कमिशन कर पुन: संचालन से वायु संचार में सुधार होगा तथा अपशिष्ट ऊष्मा का प्रभावी उपयोग संभव हो सकेगा। इससे प्रक्रिया की स्थिरता एवं तापमान नियंत्रण में सुधार होने के साथ-साथ प्रति टन सिंटर में कोक की खपत लगभग 0.5 किलोग्राम तक कम होगा, जिससे संयंत्र के समग्र कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी आएगी।

इस उपलब्धि को महाप्रबंधक (एमएम, एसपी-3) आईवी रमणा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया, जिनकी टीम ने योजना निर्माण, पुनर्नवीनीकरण एवं कमीशनिंग तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्य में महाप्रबंधक एके बेडेकर, आरडी शर्मा, उप महाप्रबंधक एमयू राव, उप महाप्रबंधक एस. सतपथी सहायक महाप्रबंधक (पीईएम) वी. के. सैनी, सहायक महाप्रबंधक एस. सी. साहू, उप प्रबंधक दिनेश माणिकपुरी, वरिष्ठ प्रबंधक केवल कुमार साहू, जितेश एच. साहनी, विपिन मौर्य, सहायक प्रबंधक आर. एल. साहू एवं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस पहल में संयंत्र के अन्य विभागों का भी सहयोग प्राप्त हुआ, जिसमें महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) बी. मधु पिल्लई, वरिष्ठ प्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) एसके पाटिल, महाप्रबंधक (सीईडी) बीएन झा, उप महाप्रबंधक (एचएमई) संतोष के साहू, उप प्रबंधक (एचएमई) अतुल भाडे एवं सहायक महाप्रबंधक (पीएलईएम) एस. के. सारंगी का विशेष योगदान रहा।

दुर्ग एसएसपी ने 12 पुलिसकर्मियों का किया स्वैच्छिक तबादला

दुर्ग। डीआईजी व दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने शनिवार को 12 पुलिस कर्मियों का तबादला किया है. इसमें 3 सहायक उपनिरीक्षक, 3 प्रधान आरक्षक और 6 आरक्षक शामिल हैं. प्रशासनिक एवं पारिवारिक कारणों का हवाला देकर जारी आदेश में भिलाई 03 थाने में पदस्थ एएसआई बाबूलाल साहू को पुलगांव, जिविशा में पदस्थ एएसआई अश्वनी सिंह को धमधा और कंट्रोल रूम में पदस्थ एएसआई राजकुमार दुबे को जिविशि में पोस्टिंग दी। प्रधान आरक्षकों में मंचांदूर चौकी में पदस्थ दिलावर सिंह को लाइन, ट्रैफिक से खिलावन सिंह राजपूत को अजाक थाना और थाना बोरी से सत्येंद्र मढ़रिया को भिलाई 03 भेजा गया. आरक्षकों में विजय कुमार पासवान को लाइन से लिटिया सेमरिया चौकी, एएसपी सिटी कार्यालय में पदस्थ अविनेश प्रताप सिंह को उतई थाना, ट्रैफिक से ए. कृष्णा कुमार को एसीसीयू, थाना सुपेला से कल्पना ठाकुर को चौकी लिटिया सेमरिया, लाइन से श्रीराम को बोरी और राकेश साहू को मचांदूर चौकी ट्रांसफर किया गया।

नेशनल डिफेंस कॉलेज की टीम का सेल-बीएसपी भ्रमण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नई दिल्ली स्थित नेशनल डिफेंस कॉलेज की उच्च स्तरीय टीम ने 19 मार्च, 2026 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण कर प्रमुख उत्पादन इकाइयों में इस्पात निर्माण की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, जिसमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल रहें।

भ्रमण के प्रारंभ में इस्पात भवन में संवादात्मक बैठक के दौरान निदेशक प्रभारी (सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम के गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक (दुर्ग-भिलाई) अभिषेक शांडिल्य एवं एसएसपी (भिलाई) विजय अग्रवाल समेत पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संवादात्मक बैठक के दौरान टीम को

उप प्रबंधक (जनसंपर्क विभाग) सुश्री शालिनी चौरसिया द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संयंत्र के उत्पादन, प्रमुख इकाइयों एवं शॉप्स की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रियाओं, उत्पाद मिश्रण तथा समग्र उत्पादन उपलब्धियों पर व्यापक जानकारी साझा की गई। इसके उपरांत संयंत्र में प्रवेश से पूर्व आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई।

टीम के सदस्यों ने उत्पादन से जुड़े विभिन्न मापदंडों एवं परिचालन प्रक्रियाओं पर गहन चर्चा की तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के राष्ट्र की सामरिक एवं रक्षा अवसंरचना में महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

संयंत्र भ्रमण के दौरान टीम ने ब्लास्ट फर्नेस-8 में हॉट मेटल उत्पादन, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में क्रूड स्टील निर्माण तथा यूनिवर्सल रेल मिल में विश्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल के रोलिंग की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। आधुनिकीकृत इकाइयों—बीएफ-8, एसएमएस-3 एवं यूनिवर्सल रेल मिल—की उच्च दक्षता, विशालता एवं उन्नत तकनीकी क्षमताओं ने आगंतुकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1960 में रक्षा मंत्रालय के अधीन स्थापित नेशनल डिफेंस कॉलेज देश का प्रमुख संस्थान है, जहां वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों एवं सिविल सेवकों को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामरिक विषयों पर उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संस्थान द्वारा भू-राजनीति, रक्षा रणनीति, अर्थव्यवस्था तथा उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित व्यापक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिनमें भारतीय एवं मित्र देशों के अधिकारियों की सहभागिता होती है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

एकलव्य आदर्श विद्यालय एर्राबोर में अतिथि शिक्षकों की भर्ती

सुकमा। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एर्राबोर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न विषयों में अतिथि शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। इस संबंध में इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों को 04 अप्रैल 2026 को आयोजित वॉक-इन इंटरव्यू में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। जारी जानकारी के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत पोस्ट ग्रेजुएट टीचर पदों के लिए गणित, रसायन शास्त्र एवं भूगोल विषय शामिल हैं। वहीं ञ्ञ्ञ् (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर) पदों हेतु विज्ञान, गणित एवं सामाजिक विज्ञान विषयों के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इंटरव्यू का आयोजन 04 अप्रैल 2026 को प्रातः 09:00 बजे विद्यालय परिसर, एर्राबोर (कोंटा), जिला सुकमा में किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लें। सभी अभ्यर्थियों को अपने मूल शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ-साथ उनकी स्व-प्रमाणित प्रतियां लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी एवं अन्य निर्देशों के लिए अभ्यर्थी विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट **http://emrserraborkonta.com** का अवलोकन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का हर क्षण विकसित भारत के संकल्प को समर्पित है : पांडेय

रायपुर। भाजपा सांसद व मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकतांत्रिक व्यवस्था में 8931 दिनों तक विभिन्न दायित्वों का निर्वाहन ऐतिहासिक है। उनकी यह यात्रा विकसित भारत के संकल्प को समर्पित है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीति में सेवा, सुशासन और पारदर्शिता की नई परंपरा स्थापित की है, जिसका सीधा लाभ देश के करोड़ों नागरिकों को मिला है। सांसद श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार राष्ट्र का विकास हो रहा है। बुनियादी ढांचे के अभूतपूर्व विस्तार, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। गरीब कल्याण योजनाओं, जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और हर घर तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। संतोष पांडेय ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंचों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

महंगाई और घरेलू गैस संकट को लेकर महिला कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

बीजापुर। जिला मुख्यालय बीजापुर में महिला कांग्रेस के नेतृत्व में बड़ी संख्या में बहनों-माताओं ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी और बेकाबू महंगाई के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी सहित तमाम कांग्रेसी और महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल होकर घरेलू गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती महंगाई के विरोध में भाजपा और मोदी सरकार की नीतियों को लेकर विरोध जताते हुए नारेबाज़ी की गई। महिला कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल के शासन में उज्ज्वला योजना का ढोंग पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। गरीब महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर देने के बड़े-बड़े वादे करके वोट लिए गए।

संत महात्माओं की पुण्य धरा और प्रभु श्रीराम के ननिहाल को विकसित और समृद्ध बनाने संकल्पित है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की पुण्य भूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, जिसे विकसित और समृद्ध बनाना राज्य सरकार का संकल्प है। शांति, सुरक्षा, खुशहाली और सुशासन के मूल मंत्र के साथ 3 करोड़ प्रदेशवासियों की खुशहाली हमारा ध्येय है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज कबीरधाम जिले के ग्राम सेमरिया में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के 168 में बलिदान दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सामुदायिक भवन, मिनी स्टेडियम और यज्ञशाला निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल है। उन्होंने सीमित संसाधनों और छोटी सेना के बावजूद अंग्रेजों के खिलाफअदम्य साहस के साथ संघर्ष किया और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसी महान विभूति से हमें प्रेरणा लेकर अपने जीवन में राष्ट्रसेवा और समाजहित के मूल्यों को अपनाना चाहिए। उन्होंने लोधी समाज की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज ऐतिहासिक रूप से वीरता, नैतिकता और राष्ट्रसेवा के लिए जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम में इस समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और आज भी यह समाज देश और प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि वे उसी परंपरा को आगे बढ़ा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों, गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बड़ी संख्या में लोगों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। होली से पूर्व अंतर की राशि का भुगतान कर किसानों को राहत पहुंचाई गई, जिससे उनके त्योहार में खुशहाली आई। महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक 25 किश्तों के माध्यम से 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। इससे मातृशक्ति आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही है। श्री साय ने आगे कहा कि प्रदेश में आस्था और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'रामलला दर्शन योजना' संचालित है, जिसके तहत अब तक 42 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। इसके साथ ही युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए बस्तर और सरगुजा में ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कवर्धा के वार्ड क्रमांक 26 में समाजिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपए, खेल के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने मिनी स्टेडियम के निर्माण तथा सहसपुर-लोहारा में यज्ञशाला के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी अपने संबोधन में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के साहस और बलिदान को स्मरण करते हुए समाज से एकजुट होकर अपनी गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, संतोष कौशिक, राजेन्द्र चन्द्रवंशी, कोमल जंघेल तथा लोधी समाज के प्रतिनिधि और आमजन मौजूद रहे।

आदिवासियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदाबाजार भाटापारा जिले के ग्राम ओड़ान में बावनगढ़ आदिवासी ध्रुव गोंड़ समाज तुरतुरिया माता महासभा लवन के तत्वावधान में आयोजित गोंड़वाना आदर्श सामूहिक विवाह समारोह मे शामिल हुए। इस मौके पर श्री साय ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पारम्परिक गोंडी रीति-रिवाज से दाम्पत्य सूत्र में बंधे 28 नवविवाहित जोड़ों क़ो आशीर्वाद व सुखमय दाम्पत्य जीवन की बधाई एवं शुभकामनायें दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समाज के पदाधिकारियों की मांग पर कसडोल नगर में कंवर समाज सामुदयिक भवन व नगर पंचायत पलारी में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 50-50 लाख रुपए और ग्राम ओड़ान में बड़ादेव ठाना में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपए की घोषणा की। साथ ही ग्राम ओड़ान के शनिमंदिर से बड़ादेव ठाना तक सीसी रोड निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा हमारी सरकार आदिवासी समाज के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। गोंडवाना संस्कृति के मानने वाले हमारे सभी आदिवासी भाई प्रकृति के पुजारी हैं। आप लोगों ने जल,जंगल और जमीन की सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातियों को आगे बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए इस साल हम लोगों ने 200 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है। इसी तरह जनजातीय समुदाय के समग्र विकास की दिशा में प्रधानमंत्री जनमन योजना मील का पत्थर साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी कला और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। हम लोगों ने आदिवासी परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री सम्मान निधि प्रारम्भ किया है, जिसके माध्यम से बैगा, गुनिया और सिरहा को हर साल पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे आदिवासी भाइयों का आय का एक बड़ा स्रोत वनोपज और तेंदूपत्ता संग्रहण है। हम लोगों ने तेंदूपत्ता संग्रहण का दाम 4 हजार रूपये से बढ़ाकर 5500 रूपये प्रति मानक बोरा किया है। जंगल जाने, वनोपज का संग्रहण करने वाले आदिवासी भाई- बहनों के पैरों में कांटे न चुभे, इसका भी इंतजाम हमारी सरकार ने फिर से किया है। इस साल चरण पादुका वितरण भी किया जाएगा। तेन्दूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका प्रदान करने के लिए बजट में 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सामूहिक विवाह बहुत ही अच्छी पहल हैं। इस तरह के आयोजन से न केवल समाज संगठित होता है, बल्कि फिज़ूलखर्ची पर भी रोक लगती है। उन्होंने कहा कि अभी 10 मार्च को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से 6 हजार से अधिक जोड़ों का सामूहिक विवाह पूरे प्रदेश में संपन्न हुआ जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया है।

इस अवसर पर जांजगीर-चांपा सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, विधायक संदीप साहु सहित अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बिहान से जुड़कर संवर रही ग्रामीण महिलाओं की आजिविका

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के जीवन में नई रोशनी ला रही है। सरगुजा जिले में इस योजना के माध्यम से हजारों महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी बना रही हैं। इसी कड़ी में अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा की शीला राजवाड़े की सफलता की कहानी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

वरदान महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य शीला राजवाड़े बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनका जीवन काफी संघर्षपूर्ण था। पति के पास नियमित रोजगार न होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय थी और छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था।

शीला ने बताया कि वर्ष 2023 में 'बिहान' योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। उन्हें समूह के माध्यम से 60 हजार रुपये का प्रारंभिक ऋण प्राप्त हुआ, जिसे उन्होंने उन्नत सब्जी उत्पादन में निवेश किया। आज वह बड़े पैमाने पर लौकी, करेला और बैंगन जैसी सब्जियों की मिश्रित खेती कर रही हैं। इससे उन्हें न केवल नियमित आय प्राप्त हो रही है, बल्कि वे अपने घर का खर्च भी स्वयं वहन कर रही हैं।

अपनी कार्यकुशलता और समर्पण के कारण शीला को समूह में वी.ओ.ए. के पद की जिम्मेदारी भी मिली है। वे अब गाँव की अन्य महिलाओं को भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

अपनी सफलता का श्रेय प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं को देते हुए शीला ने कहा कि बिहान योजना ने महिलाओं को चौखट से बाहर निकलकर उद्यमी बनने का अवसर दिया है। उन्होंने जिले की अन्य दीदियों से भी अपील की है कि वे समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें और परिवार की प्रगति में सहभागी बनें।

रैंप योजना अंतर्गत लघु वनोपज आधारित फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार की रैंप योजना के अंतर्गत सीएसआईडीसी, रायपुर के बैनर तले तथा निम्समे, हैदराबाद के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), भाटापारा में 19 से 21 मार्च 2026 तक सेक्टर-विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण लघु वनोपज (माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस) आधारित फूड प्रोसेसिंग पर केंद्रित था। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अंगद सिंह राजपूत ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा विपणन के महत्व की विस्तृत जानकारी दी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बलौदाबाजार जिले के उद्यमियों, महिला उद्यमियों तथा महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान श्रीमती दीपमाला लकरा द्वारा लघु वनोपज से विभिन्न उत्पाद तैयार करने की तकनीक, मार्केटिंग, ब्रांडिंग तथा

आवश्यक प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, भाटापारा के प्रबंधक जितेंद्र धिरही ने प्रतिभागियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को चीकू, तेंदू आदि से आइसक्रीम, अचार एवं जूस जैसे उत्पाद बनाना सिखाया गया।

समापन अवसर पर डॉ. सविता राजपूत द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों में सीखने एवं स्वरोजगार के प्रति विशेष उत्साह देखा गया।

'उल्लास' साक्षरता आकलन परीक्षाः 40 हजार से अधिक प्रतिभागियों की ऐतिहासिक भागीदारी

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। जिले में 'उल्लास' योजना के अंतर्गत आयोजित साक्षरता आकलन परीक्षा ने जनभागीदारी का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। जिले के चारों विकासखंड सहित केंद्रीय जेल बिलासपुर में कुल 961 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 40,777 से अधिक असाक्षर प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें 10,943 पुरुष एवं 29,822 महिलाएं शामिल रहीं। महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता रही, जिसे राज्य स्तर पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जिले के सभी केंद्रों में परीक्षा का आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। 'उल्लास' केंद्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय भाषा में पढ़ना-लिखना, आधारभूत गणित, डिजिटल साक्षरता एवं जीवनोपयोगी ज्ञान प्रदान किया गया, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में

सशक्त कदम बढ़ा सकें। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि उल्लास योजना के माध्यम से बिलासपुर को पूर्ण साक्षर जिला बनाने की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। 40 हजार से अधिक लोगों की सक्रिय भागीदारी समाज में जागरूकता और परिवर्तन का प्रतीक है।

इस अभियान के तहत केंद्रीय जेल बिलासपुर में 100 पुरुष एवं 33 महिला बंदियों ने परीक्षा में सहभागिता कर साक्षरता की ओर कदम बढ़ाया। ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर कोटा विकासखंड के आदिवासी अंचलों से बड़ी संख्या में सहभागिता दर्ज की गई। परीक्षा केंद्रों में सास-बहू, ननद-भौजाई, तीन पीढ़ियों के सदस्य, बुजुर्ग दंपति, नवविवाहित जोड़े, दिव्यांगजन एवं छोटे बच्चों के साथ परीक्षा देने आई माताएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं, जिसने इस अभियान को एक सामाजिक उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार, 'उल्लास' योजना के प्रभाव से जिले की साक्षरता दर में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसकी राज्य सरकार द्वारा सराहना की गई है। यह पहल छत्तीसगढ़ को पूर्ण साक्षर राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रही है। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के साथ ही ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर समन्वय समितियां सक्रिय रहीं। संयुक्त संचालक शिक्षा द्वारा विशेष ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए तथा जिला स्तर पर निरीक्षण दल गठित कर सतत मॉनिटरिंग की गई।

'बाल मैत्री' पहल से आंगनबाड़ी से विद्यालय तक बच्चों का सफर हुआ आसान

छत्तीसगढ़ में बच्चों के लिए तैयार हो रहा बाल-अनुकूल शिक्षा वातावरण, मित्रता और आत्मविश्वास से जुड़ रहा स्कूल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों के समग्र विकास और सहज शिक्षा वातावरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बाल मैत्री कार्यक्रम के रूप में सामने आई है। महिला एवं बाल विकास विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई यह पहल आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय तक बच्चों के संक्रमण को सरल और सहज बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हो रही है।

जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चों के मस्तिष्क और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को खेल-खेल में प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है, लेकिन जब वे

पहली बार विद्यालय के औपचारिक वातावरण में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर झिझक और संकोच महसूस करते हैं। इसी चुनौती को दूर करने और बच्चों को विद्यालय के माहौल से पहले ही परिचित कराने के उद्देश्य से बाल मैत्री कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 4 से 6 वर्ष आयु वर्ग के आंगनबाड़ी बच्चों को हर माह निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दौरान बच्चों को विद्यालय परिसर, शिक्षक और विद्यार्थियों से परिचित कराया जाता है तथा खेल, गीत, चित्रकला और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से उनके बीच मित्रता और आत्मविश्वास विकसित किया जाता है। इससे बच्चों में स्कूल के प्रति सकारात्मक भाव विकसित हो रहा है और वे बिना डर और झिझक के विद्यालय में प्रवेश के लिए तैयार हो रहे हैं।

कार्यक्रम के तहत 20 मार्च को पूरे प्रदेश में एक साथ आंगनबाड़ी बच्चों का विद्यालय भ्रमण कराया गया। इस दौरान प्रदेशभर के विद्यालयों में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। छोटे बच्चों का विद्यालय में आत्मीय स्वागत किया गया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने मिलकर बाल-अनुकूल गतिविधियाँ आयोजित कीं। बच्चों ने नए मित्र बनाए और विद्यालय को अपनेपन के साथ अपनाया। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित मुख्य सचिव सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के अनुरूप शुरू की गई है, जिसमें आंगनबाड़ी और विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया था। छत्तीसगढ़ शासन ने इन निर्देशों को प्रभावी रूप से लागू करते हुए दोनों विभागों के सचिवों द्वारा संयुक्त दिशा-निर्देश जारी कर कार्यक्रम को प्रदेशभर में लागू किया है।

बाल मैत्री कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करना, विद्यालयों में सकारात्मक और समावेशी वातावरण तैयार करना तथा प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाना है। यह पहल बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को नई दिशा दे रही है।

मुख्यमंत्री साय ने किया 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' के पोस्टर का विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी स्थित निवास कार्यालय में इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के कुलपति मनोज श्रीवास्तव और स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल भी उपस्थित रहे।

बस्तर के युवाओं में नवाचार,उद्यमिता और स्वरोजगार में तकनीक आधारित विकास हेतु इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का आयोजन आगामी 4 एवं 5 मई को किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर और स्वावलंबी भारत अभियान, पीएम ऊषा एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के साथ किया जाएगा। जिसमें एनआईटी रायपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईटी भिलाई, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की भी सहभागिता होगी।

'पेद्दी' के डांस नंबर में नजर आएंगी यह अभिनेत्री.....

राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ होगा कैमियो

राम चरण और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रिलज से पहले जानकारी आई है कि इस फिल्म में एक धमाकेदार डांस नंबर होगा। राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मैं बहुत रोती थी', श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री? ट्रोलिंग को लेकर कही ये बात

'उस्ताद भगत सिंह' की हीरोइन श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों वो फिल्मों और इंडस्ट्री को छोड़ने का बना चुकी थीं मन.....

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

सुमा कनकवाला के 'चैट शो द रील फ्लेवर' में श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है।

आजकल के लोगों में ज्यादा बुद्धि होती है

श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगी श्रीलीला

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है।

पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

तमन्ना भाटिया और शनाया कपूर की रैंप वॉक का जलवा, फैंस पर चलाया हुस्न का जादू

मुंबई में इन दिनों एक चर्चित फैशन वीक चल रहा है। कई बॉलीवुड एक्ट्रेस रैंप वॉक कर रही हैं। हाल ही में तमन्ना भाटिया और शनाया कपूर ने भी रैंप वॉक की। दोनों के लुक, ड्रेस ने फैंस का दिल जीत लिया।

तमन्ना भाटिया ने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है, वह इन दिनों बहुत फिट नजर आती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने डिजाइनर भूमिका शर्मा के लिए रैंप वॉक की। वहीं शनाया कपूर डिजाइनर रितिका मिराचंदानी के फैशन शो की शोस्टॉपर बनीं। दोनों एक्ट्रेस के लिए काफी चर्चा में रहे हैं।

हटकर रहा तमन्ना भाटिया का लुक

मुंबई के नामी फैशन वीक में तमन्ना भाटिया ने डिजाइनर भूमिका शर्मा की बनाई ड्रेस पहनकर रैंप वॉक की। उन्होंने एक गाउन पैटर्न ड्रेस पहनी थी। गहरे लाल रंग की इस ड्रेस पर सिल्वर कलर से फूलों और पत्तियों के डिजाइन बने थे, इस पर बारीक कढ़ाई भी की गई थी। इस ड्रेस के साथ उन्होंने ग्रीन कलर वाली ज्वेलरी को टीमअप किया था।

शनाया कपूर ने पहनी कॉकटेल स्टाइल साड़ी

इस फैशन वीक में शनाया कपूर ने भी शिरकत की है। वह डिजाइनर रितिका मिराचंदानी के लिए शो स्टॉपर बनीं। शनाया कपूर ने कॉकटेल साड़ी पहनी थी। इस साड़ी पर खूबसूरत कारीगरी की गई थी। शनाया कपूर ने काफी कॉन्फिडेंस से रैंप वॉक की।

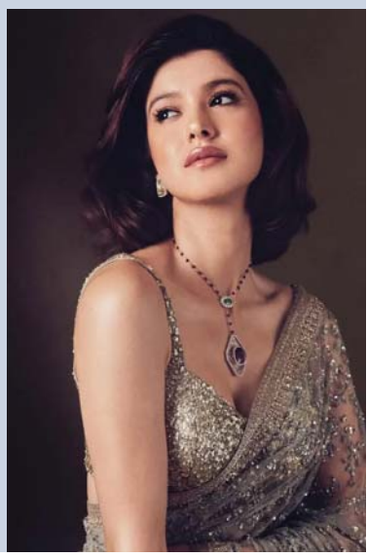

मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट टली?

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 2 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण फिल्म की रिलीज स्थगित हो सकती है। जानें कब रिलीज होगी फिल्म? `मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 की आधिकारिक रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई है। मोहनलाल ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की रिलीज टल सकती है। अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चर्चा है कि यह मई या जून 2026 में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज टलने की मुख्य वजह मध्य पूर्व में चल रहा तनाव और संघर्ष है। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच की स्थिति के कारण वहां सिनेमाघरों में फिल्म चलाना मुश्किल हो रहा है। खाड़ी क्षेत्र मलयालम फिल्मों का बहुत बड़ा बाजार है, जहां कई बार फिल्में केरल से ज्यादा कमाई करती हैं। इसी वजह से कुछ बाकी बड़ी फिल्में जैसे यश की टॉक्सिक भी टल चुकी हैं। इसलिए दृश्यम 3 को भी टालने की बात हो रही है।

दृश्यम 3 दरअसल दृश्यम सीरीज की तीसरी और आखिरी फिल्म है। मोहनलाल जॉर्जकुट्टी के किरदार में वापसी करेंगे। यह कहानी एक साधारण परिवार वाले व्यक्ति की है, जो पहले वाली घटनाओं के बाद नए मुश्किलों में फंसता है। कहानी पिछली फिल्म से साढ़े चार साल बाद की है। दृश्यम 3 का निर्देशन जीतू जोसेफ कर रहे हैं। इस फिल्म में मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, मुरली गोपी, सिद्दीकी आदि वापस लौटे हैं। इसकी शूटिंग सितंबर 2025 से दिसंबर 2025 तक चली।

किडनी को डैमेज होने से बचाना है तो जान लें रोजाना कितने लीटर पानी पीना चाहिए?

किडनी के स्वास्थ्य में हाइड्रेशन की अहम भूमिका होती है।

किडनी का काम खून से गंदगी और जहरीले पदार्थों को छानकर बाहर निकालना है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी में पथरी और यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन से बचाव होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीना किडनी के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह किडनी को अपशिष्ट पदार्थों और विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी के कामकाज पर पड़ने वाले किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सकता है। इसलिए, शरीर में पानी की कमी होने पर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि अपनी किडनी को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना कितना पानी पीना चाहिए.।

किडनी को कितने पानी की जरूरत होती है

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीता है, तो यह आदत उसके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पानी पीने के अनेक लाभ हैं उदाहरण के लिए, यह शरीर में पानी की कमी को रोकता है और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी का स्वास्थ्य बेहतर होता है। किडनी को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका होती है। किडनी के स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना

बहुत जरूरी है, क्योंकि यह शरीर से जहरीले पदार्थों (जैसे यूरिया और क्रिएटिनिन) और मिनरल्स को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी में पथरी बनने की संभावना कम हो जाती है। इस प्रक्रिया से किडनी पर काम का बोझ कम होता है और खून साफ रहता है। इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा भी कम हो जाता है।

एक अध्ययन के अनुसार, विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को हर दिन लगभग 6-8 गिलास पानी पीना चाहिए। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर को कितनी मात्रा में पानी की जरूरत होती है, यह हमारी सेहत के साथ-साथ तापमान, फिजिकल एक्टिविटी और काम पर भी निर्भर करता है।

शरीर से जहरीले पदार्थों को निकालने के लिए पानी महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों का कहना है कि पानी पेशाब, पसीने और मल के जरिए शरीर से बेकार चीजों को बाहर निकालने में मदद करता है, शरीर का सामान्य तापमान बनाए रखता है, जोड़ों के काम को आसान बनाता है और कोमल ऊतकों को नुकसान से बचाता है। जब शरीर में पानी का लेवल कम हो जाता है, तो ये सभी प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं। इसके साथ ही यह भी बताया गया है कि पानी की मात्रा कम होने पर खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है। इस प्रक्रिया में, यूरिक एसिड किडनी के माध्यम से उत्सर्जित होता है, और यदि आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो यह किडनी की पथरी का रूप ले सकता है। इसके साथ ही बताया गया है कि शरीर में पानी की मात्रा में जरा सी भी कमी होने पर, फिल्ट्रेशन की प्रक्रिया के दौरान किडनी का काम धीमा पड़ जाता है।

एक अध्ययन के अनुसार, गंभीर डिहाइड्रेशन से किडनी को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए, हेवी वर्क या एक्सरसाइज करते समय, खासकर गर्म और उमस भरे मौसम में, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है।

अगर शरीर में पानी का लेवल कम हो जाए तो क्या करें?

विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप में या बहुत ज्यादा गर्म माहौल में लंबे समय तक काम करने से शरीर से पानी और नमक तेजी से कम हो जाता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इस प्रोसेस में, अगर शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, तो किडनी पर ज्यादा दबाव पड़ता है. इस संदर्भ में, द लैंसेट रीजनल हेल्थ.दक्षिण-पूर्व एशिया जर्नल के अनुसार, जो किसान और मजदूर धूप में काम करते हैं, उन्हें गर्मी और शारीरिक तनाव के कारण किडनी फेल होने का खतरा रहता है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि किडनी से जुड़ी समस्याओं को रोकने और खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने से बचने के लिए जीवनशैली और खान-पान की आदतों में बदलाव जरूरी है। विशेषज्ञ तरबूज, खीरा और पालक जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि नारियल पानी शरीर से अशुद्धियों को बाहर निकालने में मदद करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। इसके साथ विशेषज्ञ रोजाना कसरत करने और अपने शरीर का वजन नियंत्रण में रखने की भी सलाह देते हैं। इसके अलावा, वे किडनी से जुड़ी जटिलताओं को रोकने के लिए शराब और स्मोकिंग से दूर रहने की सलाह देते हैं।

खास खबर

महिला सुरक्षा को लेकर बड़ा कदमः ग्राम चारपारा में बनी 60 सदस्यीय महिला कमांडो टीम

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चारपारा में पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजित विशेष जागरूकता कार्यक्रम में 60 महिलाओं की महिला कमांडो टीम का गठन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसमें थाना प्रभारी बलौदा मनोहर सिन्हा स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों और महिलाओं से संवाद करते हुए उन्हें समाज में सुरक्षा और जागरूकता के लिए आगे आने को प्रेरित किया। महिला कमांडो टीम का उद्देश्य गांव में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पुलिस को सूचना देना नशा, अपराध और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जनजागरूकता फैलाना कार्यक्रम के दौरान टीम की पहचान के लिए महिलाओं को टोपी और सीटी भी वितरित की गई, ताकि वे अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें। साइबर जागरूकता पर भी जोर महिलाओं को साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे वे डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित रह सकें। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए सहयोग का भरोसा जताया।

लायंस क्लब द्वारा माँ मड़वारानी मंदिर के समीप शीतल पेयजल का शुभारंभ

कोरबा । चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 19 मार्च को नवरात्रि के प्रथम दिन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ मड़वारानी दर्शन करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को भीषण गर्मी में पानी पिलाने हेतु लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) के संयुक्त तत्वावधान में माँ मड़वारानी मंदिर के समीप प्याऊ का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए शरबत एवं स्वल्पाहार का भी प्रबंध किया गया था। लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के संरक्षक एवं लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल के नेतृत्व में एवं लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों, एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा की प्राचार्य एवं अध्यापकगणों के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। हर वर्ष विद्यालय एवं लायंस क्लब परिवार द्वारा शीतल पेयजल का प्रबंध किया जाता है, ताकि श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को भीषण गर्मी में राहत मिल सके और लोगों की प्यास बुझ सके। लायन श्री अग्रवाल ने कहा कि भीषण गर्मी में लोगों को पानी पिलाना पुण्य का काम है। हमारे छोटे से प्रयास से लोगों को राहत मिले, यही हमारा उद्देश्य हैं।

मुख्यमंत्री साय ने नर्मदा धाम में की पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। चैत्र नवरात्रि की पावन चतुर्थी तिथि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कबीरधाम जिले के ग्राम जुनवानी नर्मदा धाम में आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ विधि-विधान से यज्ञ की परिक्रमा की तथा व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री साय ने इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आत्मीय अभिवादन किया और सभी को चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जिला साहू संघ द्वारा आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि आज इस पावन यज्ञ में शामिल होने का अवसर मिलना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज एक विशाल, शिक्षित और समृद्ध समाज है, जो सदैव समाज को दिशा देने का कार्य करता रहा है। उन्होंने दानवीर भामाशाह का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इसी समाज से थे, जिन्होंने अपने त्याग और दान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि रायगढ़ में पूज्य श्री सत्यनारायण बाबा भी इसी समाज से हैं, जो पिछले 28 वर्षों से खुले आसमान के नीचे तपस्या में लीन हैं। ऐसे महान संत समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई समाज संगठित होकर कार्य करता है, तो उसका लाभ केवल उस समाज तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उससे पूरे राष्ट्र का विकास होता है। उन्होंने कहा कि साहू समाज इसी तरह संगठित और सशक्त होकर निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यहां आयोजित रुद्र महाशिव यज्ञ एवं कथा से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की तपोभूमि रही है। यह माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय इसी धरती पर बिताया है, वहीं माता शबरी का पावन स्थान भी छत्तीसगढ़ में स्थित है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि व्यासपीठ पर विराजमान संत-महात्माओं की कृपा से प्रदेश में सवा लाख शिवलिंग स्थापना का पावन कार्य भी किया जा रहा है, जो आध्यात्मिक चेतना को और सशक्त करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। छत्तीसगढ़ के लोग भगवान श्रीराम को अपना भांचा मानते हैं, इसलिए उन्हें अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। अब तक 40 हजार से अधिक रामभक्त अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत प्रदेश के बुजुर्गों को देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है, ताकि वे अपने जीवन में धार्मिक आस्था के इन पवित्र स्थलों का दर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सरकार ने कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत किए हैं। इनमें छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक प्रमुख है, जिसे समाज में बढ़ती संवेदनशील परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले कुछ समय से समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाकर प्रलोभन, दबाव और भ्रम फैलाकर धर्मांतरण कराने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सख्त और स्पष्ट प्रावधानों के साथ यह विधेयक लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी प्रकार के छल, प्रलोभन या दबाव के जरिए धर्म परिवर्तन न हो सके। साथ ही विवाह के माध्यम से धर्मांतरण की आड़ में हो रहे दुरुपयोग पर भी अब पूर्ण विराम लगेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि धर्म की रक्षा और समाज की सुरक्षा ही सरकार का संकल्प है, और इसी उद्देश्य के साथ यह विधेयक लाया गया है, ताकि प्रदेश में सामाजिक सद्भाव और शांति बनी रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जुनवानी स्थित नर्मदा धाम के नर्मदा कुंड में स्नान करना, पूजा-अर्चना करना और ऐसे धार्मिक आयोजनों में शामिल होना क्षेत्रवासियों के लिए हमेशा से आस्था और प्रतीक्षा का विषय रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल से लोगों की गहरी भावनात्मक और धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मकता, एकता और सद्भाव का संदेश भी देते हैं।

कटघोरा में जनसेवा की दिशाः विधायक पटेल ने निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिलान्तर्गत कटघोरा नगर क्षेत्र में जनसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लायंस क्लब कटघोरा-छुरी द्वारा निरूशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रेमचंद पटेलथे, जबकि नगर पालिका कटघोरा अध्यक्ष राज जायसवाल एवं नगर निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान संचालन कर रहे क्लब के संरक्षक अजय धनोदिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय का स्वागत किया तथा निरूशुल्क एम्बुलेंस सेवा की आवश्यकता और उसके उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सेवा नगर और आसपास के क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए आपातकालीन परिस्थितियों में अत्यंत उपयोगी साबित होगी और समय पर मरीजों को अस्पताल पहुँचाने में मदद करेगी। मुख्य अतिथि विधायक प्रेमचंद पटेल ने अपने उद्बोधन में लायंस क्लब की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज सेवा के ऐसे कार्य लोगों के जीवन को बचाने और जरूरतमंदों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने क्लब के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को इस जनहितकारी कार्य के लिए बधाई दी। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने भी अपने संबोधन में कहा कि लायंस क्लब द्वारा शुरू की गई यह निरूशुल्क एम्बुलेंस सेवा नगरवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगी व क्लब की इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए इसकी सराहना की व बताया नगर के लिए भी यह सम्मान की बात है कि ऐसी संस्था के द्वारा नगर के सांथ आसपास के क्षेत्रों में लगातार निरूस्वार्थ भाव से सेवा के कार्य कर रही है।

नवरात्रि पर जेलों में आध्यात्मिक माहौल, बंदियों को मिली विशेष सुविधाएं

धार्मिक आस्था के अनुरूप उपवास एवं पूजा-अर्चना हेतु की गई व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में नवरात्रि पर्व को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर परिरुद्ध बंदियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे वे धार्मिक आस्था के अनुरूप उपवास एवं पूजा-अर्चना कर सकें।

प्रदेश की जेलों में कुल 2397 बंदी नवरात्रि का उपवास कर रहे हैं, जिनमें 2125 पुरुष एवं 272 महिला बंदी शामिल हैं। यह आंकड़ा न केवल आस्था की गहराई को दर्शाता है, बल्कि जेलों में सकारात्मक और आध्यात्मिक वातावरण के सृजन का भी परिचायक है। इसमें रायपुर संभाग के 1140 बंदी, दुर्ग संभाग में 243 बंदी, बिलासपुर संभाग में 407 बंदी, सरगुजा संभाग में 361 बंदी, बस्तर संभाग में 246 बंदी अपनी आस्था अनुसार उपवास का पालन कर रहे हैं।

नवरात्रि के दौरान जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को फ्लाहार, स्वच्छ पेयजल, पूजा सामग्री एवं निर्धारित समय पर आरती-पूजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से बंदियों के मनोबल को सुदृढ़ करने और उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल न केवल बंदियों की धार्मिक आस्था का सम्मान है, बल्कि उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। विगत दिनों विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया था कि जेलों को अब सजा घर नहीं बल्कि सुधार एवं पुनर्वास गृह के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें उन्हें विभिन्न कलाओं को सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने के साथ समाज से जोड़ने और बेहतर जीवन के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

संघर्ष से सुकून तकः नल-जल योजना से बदली राधाबाई की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले के ग्राम साल्हेभाट में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए जाने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। इस योजना ने विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

ग्राम साल्हेभाट निवासी राधाबाई उसेंडी के लिए पहले पानी की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। उन्हें प्रतिदिन लगभग 250 मीटर दूर स्थित जल स्रोत से पानी लाना पड़ता था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, चिलचिलाती धूप एवं शारीरिक श्रम के बीच पानी लाना उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा था, जिससे समय एवं ऊर्जा दोनों का अत्यधिक व्यय होता था। राधाबाई का परिवार मुख्यतः कृषि एवं सब्जी उत्पादन पर निर्भर है। पानी की कमी के कारण उनकी आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। सीमित जल उपलब्धता उनके कृषि कार्यों एवं परिवार के बेहतर जीवन के सपनों में बाधा बन रही थी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल-जल' योजना के क्रियान्वयन से गांव में पाइपलाइन बिछाई गई तथा राधाबाई के घर तक नल कनेक्शन प्रदान किया गया। घर के आंगन में नल से नियमित एवं स्वच्छ जल की उपलब्धता ने उनके जीवन को सहज एवं सुलभ बना दिया है। अब राधाबाई को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। इससे उनके समय की बचत हो रही है, स्वास्थ्य में सुधार हुआ है तथा वे अपने कृषि कार्यों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। उनके खेत-खलिहान अब पहले से अधिक हरे-भरे हो गए हैं और परिवार की आय में भी वृद्धि हो रही है।

राधाबाई बताती हैं कि पहले पानी लाना सबसे बड़ी समस्या थी, अब घर में ही पानी मिलने से जीवन आसान हो गया है और हम अपने काम बेहतर तरीके से कर पा रहे हैं। जल जीवन मिशन केवल पेयजल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार, महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

केला उत्पादन से बढ़ी किसानों की आमदनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेती में कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने की सोचते हैं तो केले की खेती करना भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है, लेकिन इसके लिए सही विधि से केले की खेती करना आना चाहिए।

अगर आप प्राकृतिक विधि से खेती करते हैं, तो इसकी लागत भी कम आती है और मुनाफा भी अच्छा होता है। कहते हैं खेती में नई तकनीक और सही फैसले किसान की तकदीर बदल देते हैं, और इसे सच कर दिखाया है बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम कपसिया कला के किसान हेतराम मनहर ने पारंपरिक धान की खेती छोड़कर केला उत्पादन अपनाने वाले मनहर आज लाखों रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत केला (जी-9 किस्म) की खेती शुरू की। विभाग से प्राप्त तकनीकी सहयोग, उन्नत पौध सामग्री एवं वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग से उन्होंने लगभग 0.900 हेक्टेयर क्षेत्र में केला फसल का रोपण किया। उचित देखभाल और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से उन्हें लगभग 510 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। इस फसल में करीब 1.70 लाख रुपये की लागत आई, जबकि 4 से 5 लाख रुपये तक की आय अर्जित हुई, जो पारंपरिक खेती की तुलना में कई गुना अधिक है।

हेतराम मनहर ने कहा कि प्राकृतिक खेती लागत कम करने के साथ-साथ फसल उत्पादन बढ़ाने में भी सक्षम है। केले की खेती लगभग पूरे भारतवर्ष में की जाती है। गर्म और सम जलवायु केला की खेती के लिए उत्तम होती है। प्राकृतिक खेती से न केवल खेती की लागत कम होती है।

प्रदेश की विभिन्न विधा की 33 विप्र महिलाओं को दिया गया महिला शिखर सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छ.ग. एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छ.ग. द्वारा प्रतिवर्षानुसार नवरात्रि के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ की विभिन्न विधा के ख्यातिलब्ध विप्र नारी शक्ति का महिला शिखर सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 21 मार्च शनिवार को अपरान्ह 3 बजे से वृन्दावन हॉल सिविल लाईन्स में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मानित अतिथिगण लक्ष्मी वर्मा जी - सांसद राज्यसभा, मीनल चौबे जी, महापौर, रायपुर, शताब्दी पाण्डेय जी - भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष, बाल आयोग, अर्चना झा जी - डिप्टी कमिश्नर ऑफ पोलिस, रायपुर एवं हेमलता शर्मा जी, सहायक परियोजना अधिकारी, समग्र शिक्षा, जांजगीर द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं पूजन कर किया गया।

लक्ष्मी वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महिला शक्ति को जागरूक कर विभिन्न रोजगार के विषय में बताया, मीनल चौबे ने नारी की शक्ति व

स्वयं के कार्यों व चुनौतियों के बारे में बताया. शताब्दी पाण्डेय ने नारी शक्ति को नारायणी कहते हुए घर परिवार और राष्ट्र के एकता के बारे में बताया. अर्चना झा ने सभी नारी शक्ति के अंदर छुपे हुए हुनर को जागने और आत्म बल बढ़ने पर चर्चा किया. प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से समाज में उलेखनीय कार्य हेतु चयनित 33 विप्र नारी शक्ति का शॉल, स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ देकर आतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया, जिनके नाम व कार्य क्षेत्र निम्नानुसार हैं- 1. शशि शर्मा अनामिका, रायपुर - साहित्य लेखन, 2. डॉक्टर चारू तिवारी, रायपुर - चिकित्सा एवं समाजसेवा, 3. स्मृता मिश्रा, बिलासपुर - सफल उद्यमी एवं महिला जागरण, 4. सरोज तिवारी, बेमेतरा - शिक्षा व समाजसेवा, 5. शोभिता पाठक मिश्रा, रायपुर- महिला जागरण एवं समाजसेवा 6. मधु तिवारी, रायपुर - साहित्य लेखन 7. अभिलाषा झा, भाटापारा - कला और फैशन, 8. पूर्णिमा तिवारी, बिलासपुर - काव्य पाठ व साहित्य लेखन 9. डॉ. वर्षा शर्मा, कसडोल - शिक्षा एवं साहित्य लेखन, 10. उन्नति शुक्ला, रायपुर - शिक्षा व समाजसेवा, 11. अपर्णा तिवारी, रायपुर - शिक्षा व समाजसेवा, 12. सुधा शर्मा, राजिम - साहित्य लेखन, 13. अंकिता पाण्डेय शुक्ला, बिलासपुर - बालिका जागरण, 14. श्रद्धा पाठक स्वस्ति, रायपुर - साहित्य लेखन 15. संध्या मिश्रा, रायपुर - शिक्षा व सहित्य लेखन, 16. सुश्री तनुश्री तिवारी, रायपुर- स्वान एवं पशु सेवा, 17. लता शुक्ला, रायपुर - महिला सशक्तिकरण एवं समाजसेवा 18. किरण शर्मा, भिलाई - शिक्षा सेवा, 19. सुजाता दुबे, रायपुर - कत्थक नृत्य 20. अनुराधा भारद्वाज, दल्लीराजहरा - संगीत एवं लोक गीत गायन 21. कीर्ति शर्मा, बलौदाबाजार - समाजसेवा, 22. करूणा दुबे, बलौदाबाजार - समाजसेवा, 23. मीरा तिवारी, अम्बिकापुर - मानस पाठ और धर्म, 24. ए. श्रीदेवी, रायपुर - समाजसेवा 25. पृथा शर्मा, रायपुर - जन संचार 26. विद्या भट्ट, रायपुर - साहित्य लेखन, 27. सुमन पाण्डेय, रायपुर - समाजसेवा, 28. डॉ. आस्था पाण्डेय, बलौदाबाजार - शिक्षा सेवा, 29. डॉ प्रतिभा शर्मा, रायपुर - चिकित्सा सेवा, 30. तारा झा, रायपुर - संस्कार संरक्षण, 31. अनुभा द्विवेदी, रायपुर - जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण, 32. प्रभा बाजपेई तिवारी, बिलासपुर - धर्म जागरण एवं समाज सेवा 33. पूनम तिवारी, कबीरधाम - शिक्षा सेवा.

सम्मानित अतिथियों का संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें महिलाओं ने जस-गीत, भजन, कविताएं एवं एकल - सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किये. इसमें भाग लेने वाली महिलाओं को अतिथियों ने सम्मान पत्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुणनिधि मिश्रा, युवा अध्यक्ष अविनय दुबे, प्रदेश सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, प्रदेश महासचिव डॉ. सुनील कुमार ओझा, अजय अवस्थी, संभागीय अध्यक्ष - नितिन कुमार झा, प्रदेश सचिव रामवृत तिवारी, अभिषेक त्रिपाठी, राघवेंद्र पाठक, रवि शर्मा, उमेश शर्मा, महिला सचिव वीणा मिश्रा, कल्पना मिश्रा, युवा महासचिव सुरभि शर्मा, सांस्कृतिक सचिव प्रीति मिश्रा, अभिलाषा दुबे, वीणा ठाकुर सहित आदि लोग उपस्थित थे।

किसानों को अग्रिम उर्वरक उठाव के लिए करें प्रोत्साहित-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

मोहला। कलेक्टर प्रजापति ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की संयुक्त बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर प्रजापति ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए क्षेत्राच्छादन की जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों ने विकासखंडवार जानकारी देते हुए बताया कि मक्का एवं कुल्थी फसल में बेहतर प्रगति हुई है। कलेक्टर ने आगामी वर्ष हेतु प्रदर्शन लक्ष्य में वृद्धि करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारी ने बताया कि अमाटोला एवं गोटाटोला में दलहन उपार्जन केन्द्र की स्थापना की गई है। यहां समर्थन मूल्य पर दलहन की खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन एवं सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बीज एवं उर्वरक भंडारण की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पर्याप्त भंडारण किया गया है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भंडारण के साथ-साथ किसानों को अग्रिम उर्वरक उठाव के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा के दौरान उन्होंने ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, लैंड सीडिंग एवं सेल्फ रजिस्ट्रेशन की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही संदिग्ध खातों के सत्यापन हेतु किसान चौपाल के माध्यम से अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाए राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा मिशन एवं मिशन समृद्धि योजना की भी विस्तृत समीक्षा की।

खास खबर

गरियाबंद में पिता ने बेटी पर किया जानलेवा हमला, खुद को भी घायल किया

गरियाबंद। जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी ही 6 साल की बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी ने खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया। जानकारी के अनुसार, कामेपुर गांव में घर के आंगन में यह वारदात हुई, जब आरोपी महेंद्र नेताम (36 वर्ष) ने सब्जी काटने वाले चाकू से बेटी की गर्दन पर वार कर दिया। बच्ची की चीख सुनकर मां मौके पर पहुंची और किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। इस हमले में बच्ची को गर्दन के बाहरी हिस्से में चोट आई, जबकि महेंद्र ने खुद के गले पर भी चाकू से वार कर लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवार के सदस्यों ने तुरंत दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर है, जबकि पिता की चोट गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मैनपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। परिजनों का कहना है कि आरोपी की मानसिक स्थिति पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

टीपी नगर होटल के पास से असिस्टेंट इंजीनियर के ब्रेजा कार हुई चोरी

कोरबा। कोरबा पूर्व डीएसपीएम में असि. इंजीनियर के पद पर कार्यरत किशोर कुमार 18 मार्च को रात्रि करीबन 11.20 बजे अपने ब्रेजा कार क्रमांक सीजी-07-सीजे-7836 से अपने दोस्त रूपेश ठाकुर के साथ टीपी नगर राजू होटल में खाना खाने गया था। वहीं पर दुकान के पास ही अपने कार को खड़ा कर होटल के अंदर गया। करीब 40-45 मिनट बाद खाना खाकर कर वापस आया तो जहां पर अपना कार खड़ा किया था, वहां पर कार नहीं था। अपने कार का आस-पास में पता तलाश किन्तु नहीं मिला। कार के अन्दर दोस्त रूपेश ठाकुर का एक नग छवजीपदह 1 कंपनी का मोबाईल जिसमें जियो कंपनी का सिम लगा है, रखा था। कार क्रमांक सीजी-07-सीजे-7836 की कीमती करीब 7 लाख 38 हजार रूपये है। किशोर कुमार की ओर से दर्ज रिपोर्ट पर सीएसईबी पुलिस सहायता केंद्र में अज्ञात चोर के विरुद्ध धारा 303(2)-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर पतासाजी की जा रही है।

पानी की टंकी में डूबने से डेढ़ साल के मासूम की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित अमलीडीही महात्मा गांधी नगर गली नंबर 01 में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां घर में निर्माणाधीन पानी की टंकी में डूबने से डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मासूम इराज साहू घर में अपनी दादी के साथ खेल रहा था। इसी दौरान वह खेलते-खेलते निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास पहुंच गया और अचानक उसमें गिर गया। घटना इतनी अचानक हुई कि परिजनों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बच्चे की मां काम पर गई हुई थी। जब परिजनों को घटना का पता चला तो तुरंत बच्चे को निकालकर अस्पताल ले जाया गया। उसे गंभीर हालत में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल यह हादसा एक बड़ी लापरवाही की ओर इशारा करता है, जहां घर में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे।

भिलाई में ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में दुर्ग पुलिस ने रविवार को ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस गिरोह से जुड़े कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन सटोरियों के पास से करोड़ों के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। यहां पर आधुनिक तकनीक व सोशल मीडिया के माध्यम से अपना कारोबार चला रहे थे। पुलिस ने मौके से एक लाख रुपए नकद, 16 मोबाइल, 1 लैपटॉप अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किया है।

दरअसल थाना जामुल क्षेत्र अंतर्गत नालंदा स्कूल के पीछे सुंदर विहार कॉलोनी फेस-2 स्थित एक किराए के मकान में संगठित ऑनलाइन सट्टा गिरोह के संचालन की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर दबिश दी गई, जहां आरोपियों को ऑनलाइन सट्टा संचालन करते हुए पकड़ा गया। जांच में पाया गया कि आरोपीगण द्वारा ड्रैगन टाइगर, अंदर-बाहर, तीन पत्ती, टेनिस, फुटबॉल एवं रूलेट जैसे खेलों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा था। ग्राहकों को इंस्टाग्राम एवं वाट्सएप के माध्यम से जोड़कर आईडी उपलब्ध कराई जाती थी तथा मोबाइल एवं लैपटॉप के माध्यम से सट्टा खिलाया जाता था। गिरोह द्वारा विभिन्न सिम कार्ड एवं म्यूल बैंक खातों के माध्यम से अवैध लेन-देन को छिपाने का प्रयास किया जाता था। गिरोह में कार्यों का स्पष्ट विभाजन था तथा तकनीकी रूप से बाहरी व्यक्तियों द्वारा भी संचालन नियंत्रित किया जाता था। प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस एवं 6,7,8 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

रोजाना 3 लाख से 7 लाख तक के लेन-देन

प्रारंभिक जांच में प्रतिदिन 3 लाख से 7 लाख तक के लेन-देन एवं करोड़ों रुपये के अवैध कारोबार का संचालन होना पाया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना जामुल पुलिस टीम के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही, जिनके द्वारा तकनीकी विश्लेषण एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि ऑनलाइन सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों से दूर रहें तथा ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

पकड़े गए आरोपियों के नाम

1. पोषण निषाद, उम्र 26 वर्ष, निवासी अंजोरा।
2. योगेश कुमार विश्वकर्मा, उम्र 22 वर्ष, निवासी जलेबी चैक, थाना छावनी।
3. गौरव तिवारी, उम्र 26 वर्ष, निवासी कबीर नगर, रायपुर।
4. संजय कुमार जायसवाल, उम्र 26 वर्ष, निवासी कैम्प-1 जलेबी चैक
5. चुनेश निषाद, उम्र 20 वर्ष, निवासी श्याम नगर, थाना छावनी।
6. विक्रम सिंह उर्फ विक्की, उम्र 30 वर्ष, निवासी न्यू बसंत टॉकीज़ के पास थाना छावनी।
7. उदल हमणे, उम्र 19 वर्ष, निवासी न्यू बसंत टॉकीज़ के पास थाना छावनी।

नशे में धुत युवक ने की मारपीट घटना के बाद गांव भागा पीड़ित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के पुराने बस स्टैंड स्थित आनंद इमेजर सोसाइटी परिसर में सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई यह घटना देर रात की बताई जा रही है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित सुरक्षा गार्ड की पहचान जांजगीर-चांपा जिले के निवासी राम नारायण के रूप में हुई है। वह बजरंग सिक्योरिटी कंपनी में कार्यरत है।

जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2 बजे की है। नशे में धुत एक युवक ने अचानक सुरक्षा गार्ड राम नारायण पर हमला कर दिया। उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। घटना के दौरान मौजूद युवक के साथी मारपीट शुरू होते ही मौके से भाग गए। बजरंग सिक्योरिटी कंपनी के सुपरवाइजर महेश दुबे ने बताया कि घटना का वीडियो उनके पास पहुंचा है। वीडियो में युवक गार्ड के साथ

मारपीट करता नजर आ रहा है।

घटना के बाद राम नारायण भय के कारण अपने मूल निवास जांजगीर-चांपा लौट गया। उसने फोन पर सुपरवाइजर को बताया कि युवक नशे की हालत में आया, उस पर शराब डाली। विरोध करने पर मारपीट की और फरार हो गया।

महेश दुबे ने बताया कि डर की वजह से गार्ड ने अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उसके वापस आने के बाद शिकायत दर्ज कराने की बात कही गई है।

42 किलो गांजा-2200 नशीली गोलियां और एमडीएमए ड्रग्स जब्त, रायपुर में महिला समेत 12 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में पुलिस ने सूखे नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 अलग-अलग मामलों में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 11 पुरुष और 1 महिला शामिल हैं। कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने संयुक्त रूप से की है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 42 किलो गांजा, 2200 प्रतिबंधित नशीली गोलियां और 1.53 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स जब्त किया है। इसकी कुल कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई जा रही है।

मेडिकल स्टोर से नशीली गोलियों की बिक्री

कोतवाली इलाके में एक मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर 1700 अल्प्राजोलम टेबलेट के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बिना वैध दस्तावेज के ये गोलियां बेची जा रही थी। अब इस मेडिकल स्टोर को सील करने की कार्रवाई भी की जा रही है।

ट्रेन अटेंडेंट के जरिए मंगाते थे ड्रग्स

गंज थाना क्षेत्र में 2 आरोपी ड्रग्स बेचते पकड़े गए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये नागपुर से आने वाली ट्रेन के अटेंडेंट के जरिए ड्रग्स मंगाते थे।

पंडरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने 5 तस्करों को गिरफ्तार किया, जो ओडिशा से महाराष्ट्र गांजा सप्लाई करने जा रहे थे। इनके पास से 42 किलो गांजा और 1 लाख रुपए नकद जब्त किए गए।

इस मामले में शामिल कुछ आरोपी पहले से भी तस्करी और अन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। पुलिस को इनके बड़े नेटवर्क के संकेत मिले हैं, जिसकी जांच जारी है।

टैबलेट के साथ 2 और आरोपी गिरफ्तार

डीडी नगर क्षेत्र में 500 प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ 2 आरोपियों को पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक, कमिश्नर सिस्टम लागू होने के बाद अब तक 24 मामलों में 56 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और करीब 1.72 करोड़ रुपए का नशीला सामान जब्त किया गया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और अन्य राज्यों तक फैले कनेक्शन खंगाले जा रहे हैं।

महिला का गला घोंटा, 10 लाख-35 तोला सोना लूटा

प्रॉपर्टी विवाद सुलझाने जिसे बुलाया, उसी ने मार डाला, 3 साल बाद अहमदाबाद में पकड़ाया हिस्ट्रीशीटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में साल 2021 में हुई हत्या का आरोपी अहमदाबाद में पकड़ा गया है। टिकरापारा की रहने वाली महिला ने पारिवारिक विवाद सुलझाने के लिए अजय कुमार को 4 लाख दिए थे, लेकिन अजय ने उसी महिला को मारकर घर से 10 लाख कैश और 35 तोला सोना चुरा लिया था।

21 मार्च 2026 को गुजरात की अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अजय को गिरफ्तार किया है। आरोपी कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि अहमदाबाद का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अजय कुमार उर्फ लक्ष्मीसागर उर्फ राजनारायण मिश्रा है।

सूचना पर रायपुर पुलिस अहमदाबाद रवाना हुई है। वहां आरोपी से पूछताछ के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया जाएगा, जिससे हत्या और लूट के इस पूरे मामले का खुलासा होगा। दरअसल, यह मामला अक्टूबर 2021 का है। रायपुर के पटेल चौक स्थित एक बंद मकान में

शकुंतला देवी (पति दिवंगत अमर यादव) का शव संदिग्ध हालत में मिला था।

जांच में पता चला कि शकुंतला का अपने बड़े बेटे अजय यादव के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। विवाद सुलझाने के लिए शकुंतला और उनके छोटे बेटे अमित यादव ने अजय कुमार मिश्रा से मदद मांगी थी।

आरोपी अजय और शकुंतला का बेटा अमित पहले एक अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में साथ काम करते थे। बड़े भाई से संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए अमित ने आरोपी अजय को सेटलमेंट के लिए 4 लाख कैश दिए और 10 हजार एडवांस दिए गए थे।

लेकिन आरोपी पैसे लेकर भाग निकला, जिसके बाद शकुंतला उसके गांव तक पहुंच गई थी। बदला लेने और लूट के इरादे से आरोपी अजय अपने साथी केतन उर्फ केटी के साथ रायपुर आया और शकुंतला के घर पर ही रुका। मौका मिलते ही दोनों ने महिला का गला घोंट दिया।

अहमदाबाद पुलिस के सामने आरोपी ने कबूल किया कि, हत्या के बाद उसने घर से 10 लाख रुपए कैश और करीब 30-35 तोला सोना लूटा था। इस सोने को उसने उत्तर प्रदेश के कौशांबी में एक सराफ कारोबारी को बेच दिया।

अपनी पहचान छिपाने के लिए उसने मोबाइल फोन, पैन कार्ड और आधार कार्ड का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया था। वह लगातार ठिकाने बदलता रहा पहले गोवा, फिर अहमदाबाद और फिर मुंबई में छिपा रहा।

रायपुर के टिकरापारा थाने में हत्या का मामला दर्ज था। पुलिस इस ब्लाइंड केस की छानबीन कर रही थी। इस दौरान थाने के कई टीआई बदल गए, लेकिन पुलिस कातिल तक नहीं पहुंच सकी।

डायरी में केवल एक संदेही का जिक्र था। अब गुजरात पुलिस की सूचना है कि आरोपी पकड़ा गया है। इस इनपुट के बाद रायपुर पुलिस ने फाइल फिर से खोली है।

अहमदाबाद पुलिस की इस गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही रायपुर पुलिस एक्टिव हो गई है। एडिशनल डीसीपी वेस्ट राहुल देव शर्मा के मुताबिक, एक विशेष टीम को अहमदाबाद भेजा गया है।

रायपुर कमिश्नरेट के एडिशनल डीसीपी राहुल देव शर्मा ने दैनिक भास्कर को बताया कि अहमदाबाद पुलिस ने टिकरापारा हत्याकांड के संदेही को पकड़ने की सूचना भेजी थी। सूचना पर टीम रवाना की गई। मामले में अभी कुछ कहना ठीक नहीं है।

बिलासपुर में पुरानी रंजिश में एक व्यक्ति की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में मृतक के एक साथी को भी गंभीर चोटें आई हैं। घटना करगीखुर्द गांव में हुई।

आरोपी राजाराम साहू (21) ने अपने साथियों के साथ मिलकर कोरीपारा, करगीखुर्द निवासी मोहन पांडे (52) पर लाठी और फरसे से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। बीच-बचाव करने आए मोहन पांडे के साथी शरद कौशिक भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है।

फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस वारदात के बाद कोटा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी राजाराम साहू को

गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसके फरार अन्य साथियों की तलाश कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। गांव में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। कोटा थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

घायल शरद कौशिक, जो गनियारी के निवासी हैं, को कोटा पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटनास्थल पर एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम की मौजूदगी में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर में 4.35 किलो गांजा जब्त

बिलासपुर। बिलासपुर में सिविल लाइन पुलिस ने गांजा तस्करी के एक मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत दिवस व्यापार विहार स्थित प्लेनेटोरियम के पीछे रेलवे लाइन के पास से स्कूटी में 4.35 किलोग्राम गांजा ले जाते हुए उसे पकड़ा। आरोपी के पास से 42,500 रुपए नकद भी जब्त किए गए।

पुलिस के अनुसार, तालापारा बजरंग चौक निवासी 29 वर्षीय कार्तिक गुप्ता को व्यापार विहार तारा मंडल के पास स्कूटी (वाहन क्र. सीजी-10 सीडी-1592) से रेलवे लाइन पार कर इंद्रसेन नगर की ओर जाते समय रोका गया। संदेह होने पर उसकी स्कूटी की डिक्की की तलाशी ली गई, जिसमें अवैध रूप से रखा 4.35 किलोग्राम गांजा और 42,500 रुपए नकद बरामद हुए।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गांजा तस्करी में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

संजय वन वाटिका में हिरणों की मौत पर बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। संजय वन वाटिका में आवारा कुत्तों के हमले से 15 हिरणों की मौत के मामले में वन विभाग ने कड़ा एक्शन लिया है। मुख्य वन संरक्षक सरगुजा वनवृत्त दिलराज प्रभाकर ने गंभीर लापरवाही मानते हुए वाटिका प्रभारी सहित चार कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जारी आदेश के अनुसार, उपवनक्षेत्रपाल एवं वाटिका प्रभारी अशोक सिन्हा के साथ वनपाल सहायक ममता परते, प्रतिमा लकड़ा और बिन्दु सिंह को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय सरगुजा वनमंडल, अंबिकापुर निर्धारित किया गया है।

वन विभाग के मुताबिक, इस घटना में कोटरा, चीतल और चौसिंघा प्रजाति के कुल 15 हिरणों की मौत हुई है। इनमें नर और मादा दोनों शामिल हैं। घटना के बाद एक और हिरण की मौत होने की भी जानकारी सामने आई है, जिसका नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया।

गौरतलब है कि दो दिन पहले 4-5 आवारा कुत्ते बाड़े में घुस गए थे और हिरणों पर हमला कर दिया था। आरोप है कि वाटिका प्रबंधन ने मामले को दबाने के लिए 14 हिरणों के शव जंगल में ले जाकर जला दिए।

मामले की जानकारी मिलने पर डीएफओ अभिषेक जोगावत ने मौके का निरीक्षण किया, जहां एक हिरण का शव मिला और अन्य को जलाने के प्रमाण भी मिले। उन्होंने इस घटना को गंभीर लापरवाही बताते हुए एसडीओ के नेतृत्व में जांच टीम गठित कर दो दिनों में रिपोर्ट मांगी है।

यह मामला अब वन्यजीव सुरक्षा और प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है।

एडवांस का झांसा, मशीन लेकर फरार, दो गिरफ्तार

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर में 'एडवांस देंगे' का झांसा देकर लाखों की मशीन पार करने वाले दो शातिर आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पांच घंटे तक इंतजार करवाकर गायब हुए आरोपियों ने सोचा था मामला ठंडा पड़ जाएगा, लेकिन पुलिस की ट्रैकिंग ने उनकी चालाकी पर ब्रेक लगा दिया। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र में फर्जी खरीदार बनकर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दल्ली राजहरा क्षेत्र से दो आरोपियों—18 वर्षीय देवेंद्र श्रीवास और 20 वर्षीय ताराचंद देश लहरे—को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने वारदात कबूल कर ली। उनके कब्जे से ठगी गई फोम मशीन भी बरामद कर ली गई।

खास खबर

सुकमा में नक्सलियों की साजिश नाकाम

सुकमा। सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों की साजिश को विफल कर दिया है। सर्चिंग के दौरान तीन शक्तिशाली आईईडी बरामद किए गए और नष्ट कर दिया गया। 226 बटालियन की टीम सर्चिंग पर निकली थी। जगरगुंडा-नरसापुरम मार्ग पर माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी का पता चला जिनका वजन 1 किलो, 2 किलो और 4 किलो था। बरामदगी के बाद बम निरोधक दस्ता, डीएसएमडी और डॉग स्क्वाड की मदद से इन्हें मौके पर ही निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया गया।

रायपुर में अप्रैल से पासपोर्ट सेवा केंद्र तेलीबांधा शिफ्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर के पासपोर्ट आवेदकों के लिए राहत भरी खबर है। पंडरी स्थित श्याम प्लाजा में संचालित पासपोर्ट सेवा केंद्र को अब स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। इसकी जगह 6 अप्रैल से तेलीबांधा इलाके में नए और आधुनिक कार्यालय से सेवाएं दी जाएंगी। अब नया पासपोर्ट सेवा केंद्र तेलीबांधा मेन रोड स्थित वन हाई स्ट्रीट बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर संचालित होगा। नए कार्यालय में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिसमें बेहतर बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त पार्किंग और सुगम प्रक्रिया शामिल है। इसका फायदा आसपास के शहरों जैसे भिलाई, बिलासपुर और महासमुंद से आने वाले आवेदकों को भी मिलेगा।

बंदूक छोड़ कलम उठाई, 85 नक्सली परीक्षा में बैठे

बीजापुर। एक अलग ही तस्वीर सामने आई—जहां कभी हथियार थामने वाले 85 नक्सली अब कॉपी-कलम लेकर परीक्षा हॉल में बैठे नजर आए। आत्मसमर्पण के बाद ये पूर्व माओवादी 'बुनियादी साक्षरता' की परीक्षा दे रहे हैं। बीजापुर जिले में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त पहल के तहत 'उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के जरिए आत्मसमर्पित नक्सलियों को शिक्षित किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रशिक्षण पूरा कर चुके 85 पूर्व माओवादी कैडर्स ने रविवार को बुनियादी साक्षरता की परीक्षा दी।

विश्व गौरैया दिवस पर वेबीनार आयोजित : इसे विलुप्ति से बचाने संरक्षण के लिए जागरूकता पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर 20 मार्च को छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के मार्गदर्शन में एक वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों, पक्षी मित्रों, पैराटैक्सो-नॉमिस्ट, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वेबीनार के संयोजक मातेश्वरन व्ही. सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं राज्य वेटलैंड प्राधिकरण ने अपने उद्बोधन में गौरैया की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गौरैया संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। साथ ही, उन्होंने प्रतिभागियों से इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करने और बोर्ड के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में डॉ. हितनारायण टंडन, सहायक प्राध्यापक, संत गुरु घासीदास शासकीय पीजी महाविद्यालय, कुरूद ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गौरैया की घटती संख्या के कारणों, सुरक्षा उपायों एवं संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय वक्ता के रूप में श्री जागेश्वर वर्मा, ई-बर्ड (छत्तीसगढ़) के रिव्यूअर ने गौरैया के लिए अनुकूल आवास विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शहरीकरण के प्रभावों को कम करने और पक्षियों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने के उपाय बताए। वेबीनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधान भी किया।

विश्व गौरैया दिवस हर साल 20 मार्च को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शहरीकरण और प्रदूषण के कारण तेजी से विलुप्त हो रही गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 : 9,800 से अधिक धावकों के साथ रचा इतिहास, वैश्विक मंच पर धमक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की ऐतिहासिक और नैसर्गिक धरा उस समय गौरवशाली क्षण की साक्षी बनी, जब 'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' में उत्साह का अभूतपूर्व जन सैलाब उमड़ा और 9,800 से अधिक पंजीकृत धावकों ने भाग लेकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बस्तर के बदलते स्वरूप, बढ़ती शांति और शासन की 'पूना मारगेम' जैसी पुनर्वास नीतियों की सफलता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा।

बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' बस्तर के जगदलपुर स्थित लालबाग से प्रारम्भ होकर चित्रकोट जल प्रपात के समीप समापन पश्चात आयोजित समारोह के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने मैराथन के विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि समृद्ध और विकसित बस्तर बनाने का प्रयास के साथ बस्तर क्षेत्र में बस्तर हैरीटेज मैराथन 2026 का आयोजन एक मील का पत्थर साबित होगा। बस्तर बदल रहा है, बस्तर जो चार दशक से अशांत क्षेत्र रहा अब शांति का गढ़ बन रहा है। यहाँ के युवा खेल गतिविधियों के साथ ही देश के प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफल हो रहे हैं। शांति के इस माहौल में बस्तर मैराथन में देश-विदेश के कई राज्यों और प्रदेश के अन्य जिलों तथा बस्तर संभाग के खिलाड़ी शामिल हुए। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई देते भविष्य में पुन: भव्य आयोजन की आशा व्यक्त की।

समारोह में विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में अबूझमाड़ हाफ मैराथन आयोजन के बाद बस्तर हैरिटेज मैराथन का आयोजन शांति, विकास और समृद्धि का नया अध्याय है। अब बस्तर में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति दी जाएगी इसी का एक प्रयास मैराथन का आयोजन है। इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप और विधायक विनायक गोयल ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मैराथन के विजेताओं को बधाई दी।

'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' का मुख्य आकर्षण 42 किलोमीटर की फुल मैराथन रही, जिसकी शुरुआत जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान से हुई और समापन 'भारत का नियाग्रा' कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के तट पर हुआ। आयोजन को समावेशी बनाने के उद्देश्य से इसे 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की श्रेणियों में विभाजित किया गया था। 21 किमी दौड़ पोटानार तक, 10 किमी दौड़ कुम्हरावंड तक, जबकि 5 किमी की दौड़ लालबाग से दलपत सागर रानीघाट तक आयोजित की गई, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन द्वारा 25 लाख रुपये की आकर्षक इनामी राशि घोषित की गई थी। साथ ही स्थानीय धावकों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा का अवसर देने हेतु 'बस्तर कैटेगरी' का विशेष प्रावधान रखा गया और बस्तर जिले के निवासियों के लिए पंजीकरण पूर्णत: नि:शुल्क रखा गया। विशेष बात यह रही कि इस मैराथन में मांझी- चालकी समुदाय के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे आयोजन की सामाजिक समावेशिता और अधिक सुदृढ़ हुई। इस भव्य आयोजन ने न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित किया, बल्कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति, शांति और विकास की नई तस्वीर को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

विश्व वानिकी दिवस पर विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर 21 मार्च को बलौदाबाजार वनमंडल में जनजागरूकता, सहभागिता और संवाद आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि वन हमारे जीवन, आजीविका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर जिले के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए पेंटिंग, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने वन संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन जैसे विषयों पर अपने विचार रचनात्मक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत वन एवं वन्यजीव अपराध अन्वेषण एवं अभियोजन विषय पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसमें अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री राकेश कुमार वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री गिरीश पाल सिंह तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट कसडोल सुश्री श्वेता मिश्रा की उपस्थिति रही। कार्यशाला में वन्यजीव अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधान, जांच प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन एवं न्यायालयीन कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को विधिक प्रक्रियाओं की बेहतर समझ मिली।

वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि वनों का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर वन संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उप वनमंडलाधिकारी निश्चल शुक्ला, असिस्टेंट प्रो डॉ. अजय मिश्रा, बारनवापारा अभयारण्य के अधीक्षक कृषानू चन्द्राकार सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के लिए आने लगे विदेशी मेहमान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में भागीदारी के लिए खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ पहुंचना शुरू हो गया है। आज सवेरे अरुणाचल प्रदेश के वेटलिफ्टरों का 14 सदस्यीय दल रायपुर पहुंचा। इनमें 13 खिलाड़ी और एक सपोर्टिंग स्टॉफ शामिल है।

खिलाड़ियों के छत्तीसगढ़ आगमन पर रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर राऊत नाचा दल की रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा साई (स्ट्रड्ड) के अधिकारियों ने गुलाब भेंटकर सभी खिलाड़ियों का हार्दिक स्वागत किया। 23 मार्च को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ी बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचेंगे।

देश में पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ के तीन शहरों - रायपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर में किया गया है। इसमें देशभर के करीब तीन हजार जनजातीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़वासियों को सात खेलों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस दौरान पुरूष और महिला वर्गों में हॉकी, फुटबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स, तैराकी, तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं होंगी।

गंगरेल नौकायान उत्सव : महानदी जल में रिवर बोट चैंपियनशिप का आयोजन, धमतरी में रचा गया इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। आज का दिन धमतरी जिले के लिए ऐतिहासिक बन गया, जब पहली बार गंगरेल बांध की शांत एवं मनमोहक जलधारा पर 'गंगरेल नौकायान उत्सव' के अंतर्गत भव्य महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। मचान हाट प्वाइंट से गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स प्वाइंट तक 1000 मीटर की चुनौतीपूर्ण दूरी में आयोजित इस रोमांचक प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अद्भुत गति, संतुलन और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर उत्साह, रोमांच और जनसहभागिता का अद्वितीय संगम देखने को मिला।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में धमतरी सहित समीपवर्ती जिलों कांकेर एवं बालोद की कुल 52 टीमों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन क्षेत्रीय स्तर पर एक बड़े खेल महोत्सव के रूप में उभरकर सामने आया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक ओमकार साहू, महापौर रामू रोहरा एवं पूर्व विधायक रंजना साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अविनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक ओमकार साहू ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा एवं जल पर्यटन को नई पहचान प्रदान करेगा। महापौर श्री रामू रोहरा ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण पहल बताते हुए स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ युवाओं में खेल एवं साहसिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित होगी। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मत्स्य विभाग द्वारा 8 मछुआ समितियों को आइस बॉक्स वितरित किए गए, जिससे मत्स्य व्यवसाय को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। साथ ही जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वॉटर एंबुलेंस का शुभारंभ भी किया गया।

महिलाओं की सहभागिता

इस आयोजन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता ग्रामीण अंचलों की महिला प्रतिभागियों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। ग्राम तिर्रा की श्रीमती चयन बाई, श्रीमती सुमन एवं श्रीमती दिनेश्वरी निधार ने पारंपरिक लकड़ी की नाव के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर न केवल प्रतिस्पर्धा को रोमांचक बनाया, बल्कि महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक संदेश भी दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनका आत्मविश्वास और साहस सभी के लिए अनुकरणीय रहा।

पर्यटन और विकास की नई दिशा

'गंगरेल नौकायान उत्सव' धमतरी जिले में पर्यटन, संस्कृति एवं खेल गतिविधियों के समन्वय का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। यह आयोजन न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि गंगरेल क्षेत्र को राज्य के प्रमुख पर्यटन एवं एडवेंचर स्पोर्ट्स हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

ये बने विजेता

प्रथम स्थान: बोट क्रमांक 04 (रोमार निषाद तिरी एवं जीतु निषाद)
द्वितीय स्थान: बोट क्रमांक 1 सत्वंत मंडावी एवं मिथलेश मंडावी, कोलियारी)
तृतीय स्थान: बोट क्रमांक 10 (कोमल निषाद एवं महेश्वर कुरेटरी, तिर्रा)
वेशभूषा पुरस्कार: बोट क्रमांक 06 (पवनबाई निषाद एवं देवनबती निषाद, तिर्रा)
सजावट पुरस्कार: बोट क्रमांक 08 (रामनारायण नेताम एवं रिशीराम निषाद, सटी यारा)
विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए—
प्रथम पुरस्कार: 1,00,000
द्वितीय पुरस्कार: 50,000
तृतीय पुरस्कार: 25,000
साथ ही बोट सजावट एवं वेशभूषा के लिए 11,000 के विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए। जिला प्रशासन द्वारा महिला प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए 15,000, 10,000 एवं 5,000 के सांत्वना पुरस्कार की भी घोषणा की गई।

लघु वनोपज आधारित फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार की रैंप योजना के अंतर्गत सीएसआई डीसी, रायपुर के बैनर तले तथा निम्समे, हैदराबाद के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), भाटापारा में 19 से 21 मार्च 2026 तक सेक्टर-विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण लघु वनोपज (माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस) आधारित फूड प्रोसेसिंग पर केंद्रित था।

प्रथम दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अंगद सिंह राजपूत ने लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा विपणन की जानकारी दी।

प्रशिक्षण में बलौदाबाजार के उद्यमियों, महिला उद्यमियों तथा महिला स्व-सहायता समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रीमती दीपमाला लकरा द्वारा लघु वनोपज से उत्पाद तैयार करने की तकनीक, मार्केटिंग, ब्रांडिंग तथा आवश्यक प्रमाणन की जानकारी दी गई।

द्वितीय दिवस पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, भाटापारा के प्रबंधक जितेंद्र धिरही ने शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को चीकू, तेंदू आदि से आइसक्रीम, अचार एवं जूस जैसे उत्पाद बनाना सिखाया गया।

समापन अवसर पर डॉ. सविता राजपूत द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों में सीखने एवं स्वरोजगार के प्रति विशेष उत्साह देखा गया।

धुसेरा के मां शीतला मंदिर में 107 ज्योतियां प्रज्वलित

रायपुर। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर ग्राम धुसेरा स्थित मां शीतला मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिल रहा है। यहां 107 ज्योतियां प्रज्वलित की गई हैं, जिससे मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है। मंदिर में पंडा आशाराम तारक के मार्गदर्शन में संतोष निर्मलकर, संतोष बैस, बिसाहू निर्मलकर, जगदीश, दिनेश, भेषराम, ललित, सियाराम, दुर्गेश, भोला, टिकेश्वर, सुरेश, मनीराम सहित ग्रामवासी सेवा कर रहे हैं।

श्रमिक सम्मेलन में 1200 श्रमिकों को मिली योजनाओं की सौगात

■ 1.36 करोड़ से अधिक राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित, हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। श्रमिक प्रतीक्षालय, बृहस्पति बाजार, बिलासपुर में आज श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अमर अग्रवाल उपस्थित रहे। अध्यक्षता महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने की।

सम्मेलन में लगभग 1200 श्रमिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पंजीकृत श्रमिक हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 36 लाख 88 हजार 500 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में अंतरित की गई। मुख्य अतिथि द्वारा मंच से हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान 6 चयनित हितग्राहियों को ई-रिक्शा की चाबियां वितरित कर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित किया गया। ई-रिक्शा पाकर हितग्राहियों के चेहरे खिल गए। उन्होंने कहा कि सरकार की इस योजना से वे अपने जीवन को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने में सफल सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित करने, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्रदान करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कार्यक्रम समापन उपरांत सभी उपस्थित श्रमिकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950